केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

दुनिया मे सिर्फ दिल ही है जो बिना आराम किये काम करता है इसलिए उसे खुश रखें चाहे वो अपना हो या अपनों का..

वर्ष : 16 अंक : 276 | उज्जैन, गुरुवार 19 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

पहले जापान को पछाड़ा अब जर्मनी की बारी... 2030 तक भारत बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली/ जीएनएस। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस दशक के अंत तक (2030 तक) भारत जर्मनी को पीछे छोड़ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। इसके अलावा, भारत जल्द ही नामिनल जीडीपी के मामले में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएगा। बीसीजी ने यह भी कहा कि देश के विकास की रफ्तार को बनाए रखने के लिए कुछ ढांचागत चुनौतियों को हल करना होगा। बता दें कि नामिनल जीडीपी किसी देश की सीमा के भीतर एक वर्ष में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल बाजार मूल्य है। इनकी गणना वर्तमान कीमतों पर की जाती है। इसमें मुद्रास्फीति का समायोजन नहीं होता है, इसलिए यह वास्तविक आर्थिक विकास के साथ-साथ बढ़ती कीमतों का भी असर दिखाता है।रिपोर्ट में मैन्यूफैक्चरिंग में गिरावट को मुख्य चिंता के तौर पर उजागर किया गया है और कहा गया है कि पिछले एक दशक में जीडीपी में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत से घटकर 13 प्रतिशत रह गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि किसी कंपनी में मैन्यूफैक्चरिंग का हर नया रोजगार पूरी अर्थव्यवस्था में दो से ज्यादा अतिरिक्त रोजगार पैदा करता है जबकि सेवा क्षेत्र में भर्ती का गुणक प्रभाव बहुत कम होता है और यह आमतौर पर सिर्फ एक अतिरिक्त रोजगार पैदा करता है। रिपोर्ट में कृषि क्षेत्र में वितरण की अक्षमताओं को भी उजागर किया गया है। इस कमी के चलते किसानों को उनकी उपज के लिए उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान की गई राशि का केवल 25 प्रतिशत ही मिल पाता है।

कार्तिकई दीपम मामले में अदालत ने अवमानना कार्यवाही पर लगाई रोक

नई दिल्ली/ जीएनएस। मद्रास उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने कार्तिकई दीपम मामले के संबंध में मदुरै जिला कलेक्टर और तिरुपरनकुंद्रम मंदिर अधिकारियों के खिलाफ एकल न्यायाधीश द्वारा शुरू की गई अदालत की अवमानना की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति एन. सतीश कुमार और न्यायमूर्ति एम. ज्योतिरमन की पीठ ने यह आदेश जिला प्रशासन और पुलिस आयुक्त द्वारा दायर अपीलों पर सुनवाई करते हुए दिया। मामला और खंडपीठ का हस्तक्षेप यह विवाद तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी की चोटी पर कार्तिकई दीपम जलाने की अनुमति से जुड़ा है। इससे पहले, एकल न्यायाधीश न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन ने मंदिर अधिकारियों और जिला प्रशासन के खिलाफ आदेश का पालन न करने पर अवमानना कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए थे। प्रशासन ने इस आदेश को खंडपीठ में चुनौती दी, जिसके बाद अदालत ने कार्यवाही पर रोक लगाते हुए अगली सुनवाई आठ अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी है। प्रशासन और मंदिर न्यास का पक्ष सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए। मदुरै जिला कलेक्टर केजे प्रवीण कुमार ने हलफनामा दायर कर स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय के आदेश को तभी लागू किया जा सकता है जब क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति अनुकूल हो। उन्होंने उल्लेख किया कि बीएनएसएस की धारा 163 के तहत लागू निषेधाज्ञा मंदिर अधिकारियों को दीप जलाने से नहीं रोकती, बशर्ते सुरक्षा मानक पूरे हों। एकल न्यायाधीश ने सुझाव दिया था कि पांच व्यक्तियों के समूह को पहाड़ी पर जाकर 15 मिनट की सांकेतिक प्रार्थना करने की अनुमति दी जाए। तिरुपरनकुंद्रम मंदिर के ट्रस्टियों ने उच्च न्यायालय को बताया कि इस सुझाव पर हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्त विभाग के साथ विचार-विमर्श के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल, खंडपीठ के स्थगन आदेश से जिला प्रशासन को बड़ी राहत मिली है। अब सभी की निगाहें आठ अप्रैल को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हैं।

नव संवत्सरः कृषि, जल और विकास के रोड मैप का संकल्प- डॉ. मोहन यादव

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होने वाला नवसंवत्सर हमारी सांस्कृतिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टि और प्राकृतिक जीवन पद्धति का प्रतीक है। इस वर्ष विक्रम संवत् 2083 का शुभारंभ हुआ है। यह मध्यप्रदेश के लिए गर्व और गौरव का विषय है कि भारतीय कालगणना की गौरवशाली परंपरा उज्जयिनी से प्रारंभ हुई है।

सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक से आरंभ हुआ विक्रम संवत् भारतीय संस्कृति की चेतना और राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक है। सम्राट विक्रमादित्य न्यायप्रियता, पराक्रम, धैर्य, ज्ञानशीलता और सुशासन के आदर्श हैं। विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर उन्होंने राष्ट्र की रक्षा और भारतीय संस्कृति के गौरव को प्रतिष्ठित किया। उनके शासनकाल में सुशासन की आदर्श परंपराएं स्थापित हुईं। उन्होंने न्याय और नीति के जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी शासन और प्रशासन के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

विक्रमादित्य के सुशासन की परंपरा का उल्लेख 'सिंहासन बत्तीसी' की कथाओं में मिलता है। यह उस आदर्श शासन-व्यवस्था का प्रमाण है जिसमें योग्य मंत्रियों, विद्वानों और नीति-निपुण व्यक्तियों के सहयोग से राज्य संचालित किया जाता था। सम्राट विक्रमादित्य ने जिस तरह ज्ञान, संस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था को विकसित किया, वह भारतीय राज्य परंपरा की श्रेष्ठता का प्रतीक है।

सम्राट विक्रमादित्य के व्यक्तित्व और भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश में 'विक्रमोत्सव-2026' का आयोजन किया जा रहा है। 12 फरवरी 2026 से 30 जून 2026 तक चलने वाला यह 139 दिवसीय उत्सव दीर्घ आयोजन का कीर्तिमान स्थापित करेगा। इसमें विभिन्न सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के जीवन, उनके आदर्श और उपलब्धियों को समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

उज्जयिनी प्राचीन काल से ही भारत की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक चेतना का केन्द्र रही है। बाबा महाकाल की पावन नगरी का संबंध कालगणना, खगोल विज्ञान और आध्यात्मिक साधना से रहा है। हमारे पूर्वजों ने हजारों वर्ष पहले ग्रहों की गति और नक्षत्रों की स्थिति का गहन अध्ययन कर जो कालगणना पद्धति विकसित की, वह आज भी विश्व के लिए आश्चर्य का विषय है। उज्जैन की वेधशाला और वैदिक कालगणना हमारी ज्ञान परंपरा का प्रमाण है।

हमारे लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का पुनर्स्थापन किया गया। यह घड़ी भारतीय समय गणना की परंपरा को आधुनिक युग में पुनर्जीवित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

भारतीय नववर्ष प्रकृति के नवोदय का पर्व है। इस समय प्रकृति नवजीवन से समृद्ध होती है,पृथ्वी पर नवचेतना और नवसृजन का संचार होता है। देश भर में मनाए जाने वाले नवसंवत्सर के विभिन्न नाम हैं। कहीं इसे गुड़ी पड़वा, कहीं उगादि, कहीं चैती चांद और कहीं नवरोज के रूप में मनाया जाता है।इसी दिन से चैत्र नवरात्र का भी शुभारंभ होता है। नवरात्र के नौ दिन साधना, आत्मशुद्धि और शक्ति उपासना का अवसर है। भारतीय जीवन पद्धति में पर्व और परंपराएं व्यक्ति और समाज के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

मध्यप्रदेश में नवसंवत्सर का आयोजन विकास और जनकल्याण के नए संकल्पों के साथ किया जा रहा है। नवसृजन के प्राकृतिक उत्सव अवसर पर मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश में यह वर्ष कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान अर्थव्यवस्था की आधारशिला है, इसलिए किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। इस वर्ष हमने पहली कृषि कैबिनेट बैठक बड़वानी जिले के भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में की है। इसमें कृषि विकास और कल्याण के लिए 27 हजार 500 करोड़ रुपये की योजनाओं को स्वीकृत किया गया।

कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साहित करने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन के लिए प्रदेश में योजनाएं लागू की गई हैं। हमारा लक्ष्य है कि किसान उत्पादन बढ़ाने के साथ कृषि-आधारित उद्योगों के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करें और आत्मनिर्भर बनें।

यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में हम विरासत के साथ विकास मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। इसी अनुरूप प्रदेश में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों के संरक्षण और विकास पर कार्य किया जा रहा है। ओंकारेश्वर, उज्जैन, मैहर और अन्य प्रमुख तीर्थस्थल आध्यात्मिक पर्यटन स्वरूप में विकसित हो रहे हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ पर्व के लिए होने वाली समस्त तैयारियां प्रगति पर हैं। इसके साथ ही श्रीराम वनगमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय जैसी योजनाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ा जा रहा है।

भारतीय नववर्ष का आयोजन हमें प्रकृति संरक्षण की प्रेरणा देता है।हमारी परंपरा में गुड़ी पड़वा के दिन सूर्योदय से पहले स्वच्छ जल में स्नान करने और सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। अर्घ्य देने की परंपरा में जल स्त्रोतों की पवित्रता और संरक्षण का संदेश है। जल संरक्षण के इसी भाव के साथ मध्यप्रदेश में आज से ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ प्रारंभ किया जा रहा है। नववर्ष प्रतिपदा पर शिप्रा तट उज्जैन से प्रारंभ होने वालेइस तीसरे राज्य स्तरीय अभियान में जल संरक्षण की पारंपरिक पद्धतियों और नवीन तकनीकी, नवाचारों के साथ प्रदेश के जल स्त्रोतों को सुरक्षित किया जायेगा।

मेरा प्रदेशवासियों से आग्रह है कि जल गंगा संवर्धन अभियान को जन आंदोलन बनाएं। प्रकृति के नवसृजन, अवसर पर आज हम विकसित मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लें। नवचेतना, नवजागृति के साथ आइये हम सब मिलकर प्रदेश के नवकल्याण की ओर बढ़ें और विकसित भारत निर्माण में सहभागी बनें।

मुझे विश्वास है कि नव संवत्सर मध्यप्रदेश की प्रगति, समृद्धि और नई उपलब्धियों का वर्ष सिद्ध होगा। आपके सुखी, समृद्ध और आनंदमय जीवन के लिए आप सभी को नव संवत्सर की पुनः हार्दिक मंगलकामनाएं।

देश भर में बनेंगे 100 प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क, मैन्यूफैक्चरिंग को मिलेगा बड़ा बूम

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के 100 स्थानों पर प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क की स्थापना की जाएगी। इस पार्क की स्थापना में केंद्र सरकार 33,660 करोड़ रुपए की मदद देगी।

इस स्कीम को भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) का नाम दिया गया है जिसे बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने अपनी मंजूरी दे दी।

अप्रैल से शुरू होने वाले नए वित्त वर्ष 2026-27 से लेकर वित्त वर्ष 2031-32 तक यानी कि छह साल में ये औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। हालांकि प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में ही की थी।

लेकिन इसका विस्तृत प्रारूप अब तैयार किया गया है। सरकार के इस फैसले से देश में मैन्यूफैक्चरिंग को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।

औद्योगिक पार्क से प्रत्यक्ष तौर पर निकलेंगी नौकरियां- अगले छह साल में देश के तकरीबन 34,000 एकड़ में विकसित होने वाले इन औद्योगिक पार्क से प्रत्यक्ष तौर पर 15 लाख से अधिक नौकरियां निकलेंगी। कैबिनेट के फैसले के बाद सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भव्य योजना के तहत राज्य और निजी कंपनियां मिलकर औद्योगिक पार्क का विकास करेंगे। नेशनल इंडस्ट्रियल कोरिडोर डेवलपमेंट कारपोरेशन (एनआईसीडीसी), राज्य सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां मिलकर स्पेशल पर्पस व्हीकल्स (एसपीवी) का गठन करेंगे और एसपीवी के माध्यम से इन पार्कों के निर्माण को आगे बढ़ाया जाएगा। 100 से लेकर 1000 एकड़ तक के एरिया में इस पार्क का निर्माण किया जाएगा।

स्कीम के तहत प्रति एकड़ सरकार की तरफ से एक करोड़ रुपए विभिन्न प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए दिए जाएंगे। अन्य वाह्य इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए भी सरकार अलग से राशि आवंटित करेगी जो परियोजना लागत की अधिकतम 25 प्रतिशत होगी।

पार्क के निर्माण में पीएम गतिशक्ति प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा ताकि विभिन्न प्रकार की सुविधाओं के लिए बार-बार खुदाई व अन्य काम नहीं करना पड़े।

जानकारों का कहना है कि राज्य सरकार व निजी कंपनियां मिलकर पूरी सुविधा विकसित करके उद्यमियों को उसे किराए पर दे सकती है। इस प्रकार की सुविधा से विदेशी कंपनियों से लेकर घरेलू मैन्यूफैक्चरर्स को नई यूनिट लगाना काफी आसान हो जाएगा।

रेड के दौरान मुख्यमंत्री का दखल ठीक नहीं, SC से ममता बनर्जी को फटकार

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री का मौके पर पहुंचना और हस्तक्षेप करना अच्छी स्थिति नहीं है। अदालत ने यह भी पूछा कि ऐसे असामान्य हालात में केंद्रीय एजेंसी के पास क्या कोई उपाय नहीं होना चाहिए। यह मामला उस समय का है जब ED ने चुनाव से पहले I-PAC के दफ्तरों पर छापा मारा था। इस दौरान ममता बनर्जी भी वहां पहुंच गई थीं। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि मुख्यमंत्री का इस तरह हस्तक्षेप करना सत्ता का गंभीर दुरुपयोग है। ED के अनुसार, ममता बनर्जी छापेमारी के दौरान चुनाव रणनीतिकार कंपनी I-PAC के प्रमुख प्रतीक जैन के घर और दफ्तर पहुंचीं। एजेंसी का आरोप है कि वह वहां से एक लैपटॉप, मोबाइल फोन और कई दस्तावेज अपने साथ ले गईं। श्वष्ठ ने इसे जांच में बाधा डालने वाला कदम बताया और सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन आरोपों को खारिज किया है।

राजनीति में कभी फुलस्टॉप नहीं होता..., 59 राज्यसभा सांसदों की विदाई पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली/ जीएनएस। राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों की विदाई के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राजनीति में कभी पूर्ण विराम नहीं लगता है बल्कि भविष्य राष्ट्र और समाज में किसी अहम योगदान के लिए उनका इंतजार कर रहा होता है।

उन्होंने इस दौरान देवगौड़ा, पवार जैसे सदन के वरिष्ठ सदस्यों के संसदीय योगदान व लंबे अनुभव को सराहा और नए सदस्यों से उनसे सीखने का सुझाव दिया।

पीएम मोदी ने इस मौके पर उपसभापति हरिवंश के शांत होकर कार्य करने की शैली और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले की हास्य भरी शैली को भी सराहा।

साथ ही कहा कि सदन से सेवानिवृत्त हो रहे सभी सांसदों का राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान रहा है। उनके इस योगदान को याद रखा जाएगा।

पीएम मोदी ने इस दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की उस टिप्पणी के बाद एक शायरी भी सुनायी, जिसमें उन्होंने कहा कि पीएम पहले तो शेरो-शायरी भी सुनाते थे लेकिन अब नहीं सुना रहे है। इस पर मोदी ने कहा कि वैसे तो मैं शेर-शायरी की दुनिया का व्यक्ति नहीं हूं, वो प्रतापगढ़ी (इमरान प्रतापगढ़ी) का काम है। इसके बाद उन्होंने एक शेर पढ़ते हुए कहा कि कर्म ऐसा करो, जहां से गुजरे तुम्हारी नजरें उधर से आए तुम्हें सलाम।

बता दें कि राज्यसभा से बुधवार को 20 राज्यों के सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को विदाई दी। इनमें पांच महिला सांसद भी शामिल है। इस मौके पर विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेता कभी रिटायर नहीं होते।

शहरों में मेट्रो का नेटवर्क बढ़ा, बने अर्थव्यवस्था के पावरहाउस लेकिन प्रदूषण से मुश्किल में जीवन

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश में जिस रफ्तार से शहरी आबादी और उसका क्षेत्रफल बढ़ रहा है, उस रफ्तार से शहरों में न लोगों के रहने लायक सुविधाएं जुटाई जा रही है, न ही उनके बेतरतीब फैलाव को रोकने के लिए कोई पुख्ता योजना है।

शहरी विकास पर नीतिगत सुझाव देने वाली संस्था %जनाग्रह% ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट जारी कर कई अहम सुझाव दिए है।

शहरों का विकास योजनाबद्ध- जिसमें इस बात पर जोर दिया है कि शहरों का विकास योजनाबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए, न कि संयोग से वह जैसा रूप ले रहे है, वैसे ही छोड़ दिया जाए रिपोर्ट में 2050 तक देश की शहरी आबादी के 72.3 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है, जो आसियान देशों की कुल आबादी से भी ज्यादा होगी। ऐसे में शहरी प्रबंधन पर प्रमुखता से काम करने की जरूरत बताई गई है। साथ ही बताया गया है कि 2005-06 से 2022-23 के बीच बिना प्लानिंग के देश में 25 लाख हेक्टेयर से अधिक का शहरी क्षेत्रफल बढ़ा है।

भारत के बड़े शहर मौजूदा समय में आर्थिक पावरहाउस बन गए हैं, जिससे नौकरियां, जीडीपी और निजी खुशहाली बढ़ रही है लेकिन नागरिकों के लिए गतिशीलता (मोबिलिटी) और जीवन का अनुभव हर दिन खराब होता जा रहा है।

बंगाली चौराह स्थित ब्रजेश्वरी एनेक्स में हुई अग्नि दुर्घटना पर मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त् किया

हर पहलू की जांच के लिये अपर मुख्य सचिव और विशेष डीजी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में बुधवार अल सुबह बंगाली चौराहा स्थित ब्रजेश्वरी एनेक्स में हुई अग्नि घटना पर गहरा शोक व्यक्त् किया। उन्होंने घटना की जानकारी मिलते ही अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन और विशेष डीजी श्री आदर्श कटियार और विशेषज्ञों को घटना स्थल पर भेजा।

अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन और विशेष डीजी श्री आदर्श कटियार ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री राजन ने उक्त घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए शोक व्यक्त कर कहा कि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति ना हो इसके लिये घटना से जुड़े हर पहलु की विस्तृत जांच की जायेगी। साथ एक एसओपी बनाई जायेगी। श्री राजन ने कहा कि उक्त घटना से जुड़ी जांच हेतु आईआईटी एक्सपर्ट और तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से फोरेंसिक जांच भी की जायेगी। साथ ही इलेक्ट्रानिक वाहन विशेषज्ञों की एक बैठक कर पता लगाया जायेगा कि इलेक्ट्रीक वाहनों में चार्जिंग के दौरान इस तरह की घटनाए क्यो हो रही है?

निरीक्षण के दौरान पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सिंहस्थ मेला-2028 की तैयारियों का जायजा, पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक ने दिए समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ मेला की तैयारियों को लेकर पश्चिम रेलवे द्वारा अवसंरचना विकास के कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, यातायात सुगमता और सुरक्षित रेल संचालन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाप्रबंधक (प्रभारी) प्रदीप कुमार ने 18 मार्च 2026 को सिंहस्थ मेला-2028 से जुड़े रेलवे क्षेत्र में प्रस्तावित और प्रगति पर चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने उज्जैन क्षेत्र के अंतर्गत पंवासा, मोहनपुरा, विक्रम नगर, चिंतामन गणेश, क्षिप्रा ब्रिज और नई खेड़ी स्टेशन पर चल रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य तय समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं।

महाप्रबंधक ने क्षेत्रीय रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति और मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्यों से भी मुलाकात कर उनकी सुझावों पर चर्चा की। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि सिंहस्थ से जुड़े सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जा रहे हैं और इसके लिए राज्य प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर नियमित बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

इंदौर में संकल्प से समाधान अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन, विकासखंड स्तर पर लगेंगे शिविर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में शासन की महत्वाकांक्षी संकल्प से समाधान अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान के तृतीय चरण में विकासखंड स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए प्रशासन द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। साथ ही जिले के चारों विकासखंडों में शिविरों की तिथियों का निर्धारण भी कर लिया गया है। इस अभियान के अंतर्गत ब्लॉक एवं नगर स्तर पर प्राप्त आवेदनों, शिकायतों तथा लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही चयनित योजनाओं, कार्यक्रमों और सेवाओं के तहत नवीन प्राप्त आवेदनों पर भी त्वरित कार्रवाई कर आमजन को राहत प्रदान की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत 23 मार्च को जनपद पंचायत कार्यालय इंदौर के ग्राम पंचायत नैनोद में, महू क्षेत्र के एसडीएम कार्यालय महूगांव में 24 मार्च को, सांवेर क्षेत्र के जनपद पंचायत कार्यालय सांवेर में 25 मार्च को एवं 26 मार्च को देपालपुर क्षेत्र के जनपद पंचायत कार्यालय देपालपुर में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करेंगे। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि शिविरों के सफल संचालन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को अभियान का लाभ मिल सकें।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग प्री कम मेन्स परीक्षा 2027 के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षकों के लिये आवेदन आमंत्रित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर म.प्र. लोक सेवा आयोग प्री कम मेन्स 2027 के प्रशिक्षण हेतु पात्र प्रशिक्षकों के आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए है। प्रशिक्षण 03 मई 2026 से प्रारंभ होने की संभावित तिथि है। उक्त प्रशिक्षण के लिए इच्छुक प्रशिक्षक अपना रिज़्युम शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर में 23 मार्च से 10 अप्रैल 2026 तक कार्यालयीन समय में जमा किया जा सकता है। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर की सहायक आयुक्त प्राचार्य श्रीमती आशा चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग प्री कम मेन्स परीक्षा 2027 के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षकों के लिये आवेदन आमंत्रित किए गए है। इसके लिए संस्थान से आवेदन प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ जमा करें। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता राज्य सेवा प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु आवश्यक संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में स्नात्कोत्तर उपाधि अथवा ऐसे प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान जहां से प्रशिक्षणार्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में होता रहा हो, में संकाय सदस्य होना अनिवार्य है। इसके अलावा प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी रहेगा। प्रशिक्षण का समय कार्यालयीन समय में ही रहेगा। कालखण्ड की अवधि 90 मिनिट रहेगी। प्रति कालखण्ड 800 रुपये का मानदेय रहेगा। समिति द्वारा प्राप्त आवेदनों का अंतिम चयन साक्षात्कार आधार पर किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के दूरभाष क्रमांक 0731-2920465 पर सम्पर्क किया जा सकता हैं।

लोकसभा में उठी इंदौर- रीवा ट्रेन को नियमित करने की मांग, नई इंदौर- सिंगरौली ट्रेन चलाने का भी प्रस्ताव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा के बजट सत्र के दौरान प्रश्नकाल में प्रदेश के तीन सांसदों ने एक साथ इंदौरङ्करीवा ट्रेन को नियमित करने की मांग उठाई। इंदौर सांसद शंकर लालवानी, सतना सांसद गणेश सिंह और रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष यह मुद्दा रखते हुए अम्बेडकर नगर इंदौरङ्करीवा ट्रेन को नियमित रूप से संचालित करने की मांग की और ज्ञापन भी सौंपा।

इसके साथ ही सीधीङ्कसिंगरौली क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने इंदौर से सिंगरौली के लिए एक नई ट्रेन शुरू करने की मांग रखी। सांसदों ने कहा कि इंदौरङ्करीवा ट्रेन वर्तमान में सप्ताह में केवल तीन दिन चलती है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ट्रेन में लगातार लंबी वेटिंग रहती है और गर्मी व त्योहारों के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है, जब दो-दो महीने तक सीटें उपलब्ध नहीं हो पातीं।

सांसदों ने यह भी बताया कि वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के दौरान विंध्य क्षेत्र से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए इस ट्रेन का नियमित संचालन अत्यंत आवश्यक है। इससे धार्मिक यात्राओं में भी बड़ी सुविधा मिलेगी।

सामाजिक संस्था विंध्याचल सोशल ग्रुप के अध्यक्ष आर.पी. शर्मा, सचिव दिलीप मिश्रा और मीडिया प्रभारी डॉ. आर.एन. मिश्रा ने बताया कि इंदौर जिले में निवासरत लाखों विंध्यवासी पिछले कई वर्षों से इस मांग को लेकर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि रीवा, सीधी, सतना, शहडोल, उमरिया, मैहर, अनूपपुर और मऊगंज सहित विंध्य क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग इंदौर, महू, पीथमपुर, धार, झाबुआ, मनावर, बड़वानी, देवास और उज्जैन सहित मालवा क्षेत्र के विभिन्न शहरों में निवास करते हैं और उनके लिए यह ट्रेन प्रमुख साधन है।

उन्होंने यह भी बताया कि ट्रेन के नियमित होने से न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि रेलवे के राजस्व में भी वृद्धि होगी। साथ ही यह ट्रेन मालवा और विंध्य क्षेत्र के बीच बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित करेगी, जिससे धार्मिक स्थलों जैसे मैहर, चित्रकूट, खजुराहो, प्रयागराज, अयोध्या और काशी तक यात्रा करना भी आसान हो जाएगा।

इंदौर ईओडब्ल्यू का बड़ा एक्शन, करोड़ों का बैंक गबन करने वाला गिरोह पकड़ा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने फर्जी दस्तावेजों से करोड़ों का गबन करने वाले गिरोह को पकड़ा है। प्रकोष्ठ ने तत्कालीन बैंक मैनेजर जतिन गुप्ता और जालसाज जावेद खान सहित सात लोगों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की। गिरोह अभी तक करोड़ों की हेराफेरी कर चुका है। एसपी (ईओडब्ल्यू) रामेश्वर यादव के अनुसार मामला केनरा बैंक की नंदानगर शाखा का है। बैंक की ओर से डिप्टी जनरल मैनेजर आनंद तोतड़े ने शिकायत की थी। निरीक्षक राजेश साहू द्वारा जांच की गई व मंगलवार को आरोपित करामत खान, मोहम्मद रफीक, जतिन गुप्ता, कमलेश दरवानी, सुनील जैन, जावेद और इरफान पर केस दर्ज कर लिया। करामत पुत्र अब्दुल रहमान की अबू रोड लाइंस के नाम से ट्रांसपोर्ट कंपनी है। उसे व्यापार के लिए लोन की आवश्यकता थी। आरोपित ने सिंडीकेट बैंक (अब केनरा बैंक) में लोन के लिए आवेदन किया था। अफसरों ने जावेद से मिलकर खानापूर्ति के लिए कहा। जावेद ने साजिश की व ग्रीन पार्क कॉलोनी स्थित एक मकान के मोहम्मद हुसैन के नाम फर्जी दस्तावेज बना लिए। इरफान के साथ साजिश की व आरोपित मोहम्मद रफीक पुत्र हुसैन मोहम्मद को बैंक में पेश कर दिया। मूल्यांकनकर्ता सुनील जैन ने सर्च रिपोर्ट बनाकर दे दी। क्रेडिट मैनेजर कमलेश और ब्रांच मैनेजर जतिन ने भी बगैर मौका देखे 33 लाख का ऋण स्वीकृत कर दिया।

श्रमायुक्त विभाग इंदौर द्वारा स्टेट एक्शन प्लान, श्रम संहिताएं तथा चाइल्ड लेबर एण्ड बॉन्डेड लेबर अंतर्गत कार्यशाला सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहायक श्रमायुक्त इंदौर द्वारा इंदौर एवं उज्जैन संभाग के विभागीय अधिकारी एवं संबंधित स्टैक होल्डर्स के लिए 17 मार्च मंलगवार को जालसभा गृह साउथ तुकोगंज इंदौर में स्टेट एक्शन प्लान एवं श्रम संहिताएं तथा चाइल्ड लेबर एण्ड बॉन्डेड लेबर का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उप श्रमायुक्त मुख्यालय इंदौर श्री आशीष पालीवाल, सहायक श्रमायुक्त सिंगरौली श्री बी.पी. सिंह, सहायक श्रमायुक्त उज्जैन श्रीमती राखी जोशी, ई.एस.आई.एस. डायरेक्टर श्री चंद्रशेखर जायसवाल व विशेषज्ञ राज्य सलाहकार यूनिसेफ श्री अमरजीत सिंह उपस्थित रहे।

कार्यशाला में श्री अमरजीत सिंह, को-ऑडिनेटर, यूनिसेफ द्वारा बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 एवं बंधक श्रम अधिनियम 1976 के प्रावधानों से अवगत करवाया गया तथा श्रम विभागीय अधिकारियों द्वारा श्रम स्टार रेटिंग, कार्यस्थल पर सुरक्षा, हर्ट फ्री डेज, आरोह, श्रम विभाग से सम्बंधित योजनाएं, वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक, सुरक्षा संहिता 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता 2020 की जानकारी दी गई।

कार्यशाला में इंदौर व उज्जैन संभाग के श्रम विभागीय कार्यपालिक, श्री योगेंद्र विकल, आयुक्त, सहायक भविष्य निधि, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, विशेष किशोर पुलिस इकाई, नियोजक, श्रमिक यूनियन प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वर्कशॉप का संचालन सुश्री तृप्ति डावर एवं श्री अविनाश रंगारे श्रम निरीक्षक द्वारा किया गया। वर्कशॉप के अन्त में प्रश्न-उत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया।

आरएसएस के मालवा प्रांत का होगा विभाजन, अब इंदौर और उज्जैन संभाग बनेंगे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अब मालवा प्रांत के बजाय आरएसएस के इंदौर और उज्जैन संभाग बनेंगे। आरएसएस की हरियाणा में हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में प्रांत के बजाय संभागीय व्यवस्था करने का फैसला है। अगले साल से इंदौर के मालवा प्रांत में इसका असर देखने को मिलेगा।मालवा प्रांत की रचना 2009 में की गई थी, जिसमें इंदौर और उज्जैन जिले आते थे। अब उसमें भी बदलाव किया गया है। अब इंदौर और उज्जैन संभाग के हिसाब से नई रचना होगी। मध्य प्रदेश में 9 से 11 संभाग हो सकते हैं। संभागों की संरचना प्रांत की तरह ही रहेगी और प्रचारकों को हर संभाग की जिम्मेदारी दी जाएगी।

मालवा प्रांत के संघचालक प्रकाश शास्त्री ने बताया कि अगले वर्ष मार्च तक संभागीय व्यवस्था काम शुरू कर देगी। उसमें क्या पद होंगे, इसका फैसला बैठक में होगा। संभाग और क्षेत्र रचना के अलावा प्रदेश कार्यसमिति की व्यवस्था भी रहेगी। इसके अलावा अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का अधिवेशन भी तीन वर्ष में एक बार आयोजित किया जाएगा। इंदौर में इस वर्ष अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक अक्टूबर-नवंबर माह में आयोजित होगी। इस बैठक में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सहित देश के सभी प्रांतों से 450 कार्यकर्ता शामिल होंगे।

मालवा प्रांत की गतिविधियों की जानकारी देते हुए प्रांत के संघचालक प्रकाश शास्त्री और प्रांत कार्यवाह विनीत नवाथे ने बताया कि मालवा प्रांत में कुल 1359 मंडल हैं, जहां संघ का नेटवर्क है।

श्रमायुक्त विभाग इंदौर द्वारा स्टेट एक्शन प्लान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहायक श्रमायुक्त इंदौर द्वारा इंदौर एवं उज्जैन संभाग के विभागीय अधिकारी एवं संबंधित स्टैक होल्डर्स के लिए 17 मार्च मंलगवार को जालसभा गृह साउथ तुकोगंज इंदौर में स्टेट एक्शन प्लान एवं श्रम संहिताएं तथा चाइल्ड लेबर एण्ड बॉन्डेड लेबर का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उप श्रमायुक्त मुख्यालय इंदौर श्री आशीष पालीवाल, सहायक श्रमायुक्त सिंगरौली श्री बी.पी. सिंह, सहायक श्रमायुक्त उज्जैन श्रीमती राखी जोशी, ई.एस.आई.एस. डायरेक्टर श्री चंद्रशेखर जायसवाल व विशेषज्ञ राज्य सलाहकार यूनिसेफ श्री अमरजीत सिंह उपस्थित रहे। कार्यशाला में श्री अमरजीत सिंह, को-ऑडिनेटर, यूनिसेफ द्वारा बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 एवं बंधक श्रम अधिनियम 1976 के प्रावधानों से अवगत करवाया गया।

तथा श्रम विभागीय अधिकारियों द्वारा श्रम स्टार रेटिंग, कार्यस्थल पर सुरक्षा, हर्ट फ्री डेज, आरोह, श्रम विभाग से सम्बंधित योजनाएं, वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक, सुरक्षा संहिता 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता 2020 की जानकारी दी गई। कार्यशाला में इंदौर व उज्जैन संभाग के श्रम विभागीय कार्यपालिक, श्री योगेंद्र विकल, आयुक्त, सहायक भविष्य निधि, महिला एवं बाल विकास विभाग आदी।

अग्निवीर भर्ती रैली वर्ष 2027 के लिए एक अप्रैल तक कर सकेंगे अपना ऑनलाइन पंजीयन

इंदौर एवं उज्जैन संभाग के 15 जिलों के उम्मीदवार होंगे भर्ती रैली में शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अग्निवीर भर्ती रैली वर्ष 2027 के अंतर्गत भारतीय सेना में योग्य युवाओं के चयन हेतु इंदौर एवं उज्जैन संभाग के 15 जिलों में भर्ती रैली आयोजित की जानी है। इस भर्ती प्रक्रिया का दायित्व सेना भर्ती कार्यालय महू को सौंपा गया है। वर्ष 2027 के लिए अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया 13 फरवरी से प्रारंभ हो चुकी है, जो 01 अप्रैल 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in के माध्यम से की जा सकती है।

बताया गया कि वर्तमान में अग्निपथ योजना के प्रति पर्याप्त जागरूकता के अभाव में संभाग के विभिन्न जिलों में अभ्यर्थियों के पंजीयन की प्रगति अपेक्षाकृत कम पाई गई है।

इस संबंध में जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी, जिला रोजगार अधिकारी एवं जिला खेल अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे विद्यालयों, महाविद्यालयों, रोजगार मेलों, खेल संस्थानों एवं पंचायत स्तर तक युवाओं को अग्निवीर भर्ती हेतु पंजीयन के लिए प्रेरित करें। साथ ही, प्रभावी जनसंपर्क कार्यक्रमों के संचालन हेतु सेना भर्ती कार्यालय महू के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

इस भर्ती के अंतर्गत अग्निवीर (पुरुष) जनरल ड्यूटी (GD), एसकेटी (SKT), टेक्निकल, ट्रेड्समैन (8वीं एवं 10वीं), महिला सेना पुलिस तथा स्थाई पदों के लिए नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेट एवं सिपाही फार्मा के पदों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

बताया गया कि इस बार सेना भर्ती में आयु सीमा में एक वर्ष की वृद्धि की गई है। अग्निवीर पदों के लिए एक जुलाई 2005 से एक जुलाई 2009 के बीच जन्मे युवा आवेदन कर सकेंगे, जबकि स्थाई पदों के लिए एक जुलाई 2004 से एक जुलाई 2009 के बीच जन्मे अभ्यर्थी पंजीयन के पात्र होंगे।

अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर दें। भर्ती से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय महू के दूरभाष क्रमांक 7648815570 पर संपर्क कर सकते हैं।

आकाशवाणी इंदौर द्वारा 'लोकरंग उत्सव' का ऐतिहासिक एवं भव्य आयोजन संपन्न

1987 के बाद पहली बार इतने विराट स्वरूप में सजी लोकसंस्कृति की रंगारंग संध्या

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत के लोक सेवा प्रसारक प्रसार भारती के अंतर्गत आकाशवाणी इंदौर द्वारा विक्रमोत्सव 2026 के अवसर पर, वीर भारत न्यास के सहयोग से आयोजित लोकरंग उत्सव का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन आकाशवाणी परिसर, मालवा हाउस इंदौर में मंगलवार को अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1987 के बाद यह पहला अवसर रहा जब आकाशवाणी इंदौर में इतने विशाल स्तर पर लोकसंस्कृति का विराट आयोजन देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम प्रमुख राजेश पाठक एवं अभियांत्रिकी प्रमुख अभय कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। मालवी परंपरा के अनुरूप अतिथियों को साफा बांधकर, शाल एवं श्रीफल भेंट कर तथा प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे सम्पूर्ण वातावरण लोक संस्कृति की गरिमा से ओतप्रोत हो उठा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेश सिंह कुशवाह श्रीयुत श्रीराम तिवारी विशिष्ट अतिथि नरेश शर्मा और दिनेश दिग्गज ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में लोकसंस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया। श्री तिवारी ने कहा कि आकाशवाणी जैसे मंचों के माध्यम से लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय पहचान मिलती है और यह आयोजन उसी दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

श्री कुशवाह ने कहा कि लोककला हमारी पहचान है, यह हमारी जड़ों से जुड़ने का माध्यम है, और ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनते हैं। लोकरंग उत्सव का मंच मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड एवं जनजातीय अंचलों की विविध एवं समृद्ध लोकपरंपराओं से सुसज्जित रहा। प्रस्तुतियों की श्रृंखला ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा और कार्यक्रम रात्रि 11 बजे तक उत्साहपूर्वक चलता रहा, जहां श्रोताओं ने न केवल आनंद लिया बल्कि कई अवसरों पर स्वयं भी लोकधुनों पर झूमते एवं नृत्य करते नजर आए।

मंच पर प्रस्तुत प्रमुख आकर्षण रहे

1. मालवी लोकगीत एवं नृत्य - हरिहरेश्वर पोद्दार एवं उनके साथियों द्वारा प्रस्तुत, जिसमें पारंपरिक मालवी लय और उल्लास ने वातावरण को जीवंत कर दिया।
2. निमाड़ी लोकगीत एवं नृत्य - पूर्णिमा चतुर्वेदी एवं मंडली द्वारा प्रस्तुत, जिसकी मधुरता और ताल ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।
3. बुंदेलखंडी लोकगीत एवं नृत्य - रामप्रसाद अहिरवार एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत वीरता और उल्लास से परिपूर्ण प्रस्तुति।
4. गोंडी लोकगीत एवं नृत्य - बलिराम धुर्वे एवं दल द्वारा प्रस्तुत जनजातीय संस्कृति की अनूठी झलक।

विशेष आकर्षण के रूप में प्रस्तुत हैंगर गीतों ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरे सभागार में उत्साह का अद्भुत वातावरण निर्मित कर दिया। विशेष रूप से गोंडी नृत्य एवं निमाड़ी लोकनृत्य ने दर्शकों को सबसे अधिक आनंदित किया, जहां सभागार तालियों की गूंज से गूंज उठा और कई दर्शक स्वयं को थिरकने से रोक नहीं पाए।

इन सभी प्रस्तुतियों ने लोकसंगीत और लोकनृत्य की जीवंतता को दर्शाते हुए सम्पूर्ण वातावरण को उत्सवमय बना दिया। कलाकारों की ऊर्जा, पारंपरिक वेशभूषा और सुर-ताल के अद्भुत समन्वय ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आकाशवाणी इंदौर की संपूर्ण टीम का विशेष योगदान रहा। इस आयोजन में शहर के गणमान्य नागरिक, कला प्रेमी, श्रोता एवं बड़ी संख्या में दर्शकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में अग्नि दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों को दी श्रद्धांजलि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में हुई अग्नि दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गहन शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है, हमारी संवेदनाएं सभी शोकाकुल परिजन के साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगतों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की है।

इंदौर में कमर्शियल गैस सिलिंडर की किल्लत बरकरार, नहीं हो रही बुकिंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में कमर्शियल गैस सिलिंडरों की बुकिंग शुरू होने की बात तो कही जा रही थी, लेकिन इसे लेकर अब तक कोई आदेश जारी नहीं हुए हैं। मंगलवार को भी गैस सिलिंडरों की किल्लत बरकरार रही। बड़े होटल और रेस्टोरेंट्स ने तो इंडक्शन जैसे विकल्प अपना लिए हैं, लेकिन छोटे दुकानदारों, ठेले-गुमटियों पर खान-पान का सामान बेचने वालों के लिए यह स्थिति संकट बन गई है। अब सड़कों पर उनकी कमी साफ दिखाई देने लगी है। चाय, पानी बताशे, चाउमीन और चाट के ठेले पहले जितने नजर आते थे, अब उतने दिखाई नहीं देते, क्योंकि उन्हें सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि अभी तक कमर्शियल सिलिंडरों का स्टॉक कंपनियों की ओर से उन्हें नहीं मिला है और न ही बुकिंग शुरू करने के कोई निर्देश आए हैं। फिलहाल घरेलू रसोई गैस की बुकिंग और डिलीवरी ही जारी है। हालात ऐसे हैं कि रोजमर्रा की आजीविका चलाने वालों के लिए हर दिन एक नई चुनौती बनता जा रहा है।गैस सिलिंडर नहीं मिलने से अब आयोजनों पर भी असर दिखने लगा है। इंदौर में कई रसोइयों और कैटरर्स ने गैस की कमी का हवाला देते हुए खाना बनाने के ऑर्डर रद्द करना शुरू कर दिए हैं। कैटरर शंकर शर्मा का कहना है कि चार सौ लोगों की रसोई में तीन से चार सिलिंडर लगते हैं, लेकिन अभी सिलिंडर मिल नहीं पा रहे हैं। इस वजह से वे ऑर्डर देने वालों से ही सिलिंडर की व्यवस्था करने को कह रहे हैं। व्यवस्था नहीं होने पर उन्हें अब तक तीन ऑर्डर रद्द करने पड़े हैं।इसके अलावा कई लोग अपने स्टॉल भी सीमित कर रहे हैं, जिससे कार्यक्रमों की रौनक भी फीकी पड़ने लगी है। इंदौर में 2 अप्रैल से शादियों के मुहूर्त शुरू हो रहे हैं और इस दौरान मांग और बढ़ने की संभावना हैं, लेकिन अभी तक सिलिंडरों की सप्लाई सामान्य नहीं हो पाई है। फिलहाल सिर्फ बुकिंग के आधार पर ही सीमित संख्या में सिलिंडर दिए जा रहे हैं, जबकि एक शादी में दस से पंद्रह सिलिंडर तक की जरूरत होती है। कई परिवारों को इस बात की चिंता सता रही है कि उनके शादी के कार्ड बांटे जा चुके हैं और अब मेहमानों की संख्या कम करना भी आसान नहीं है।

प्राइवेट स्कूलों की तुलना में सरकारी स्कूल के बच्चे ज्यादा संघर्षशील एवं जीवटता वाले होते हैं- शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे ने अपने एक वक्तव्य में कहा है कि यद्यपि सरकारी स्कूलों की तुलना में प्राइवेट स्कूल की शिक्षा का स्टैंडर्ड भी उत्तम है तथा सभी प्रकार के संसाधन एवं क्वालिफाइड शिक्षक भी उनके पास होते हैं और प्राइवेट स्कूलों के रिजल्ट भी उत्तम कोटि के होते हैं तथा विभिन्न गतिविधियां भी शासकीय स्कूल से ज्यादा चलती है। तथापि..... एक समय था जब भारत में प्राइवेट स्कूलों की संख्या नगण्य थी तथा भारत के एक/दो प्रतिशत बच्चे ही प्राइवेट स्कूलों में जाते थे, शेष 98 प्रतिशत बच्चे सरकारी स्कूलों में ही अध्ययन करते थे।

शिक्षाविद् श्री चन्द्रे ने कहा कि अंग्रेजों के जमाने से लेकर आजादी के कई वर्षों बाद भी सरकारी स्कूलों में शैक्षिक संसाधन बहुत कम थे। यहां तक की बच्चों को बैठने के लिये टाट पट्टियां भी नहीं थी, बच्चे अपने घर से अपना आसन लेकर जाते थे। कवेलू की छतों से पानी टपकता था और बारिश के दिनों में अधिकांश ÷रेनी डे÷ की छुट्टियां मनाई जाती थी। बरसते पानी में कपड़े की थैली का बना हुआ अपना बस्ता लेकर सड़कों पर भरे हुए पानी के गड्ढों के बीच छप-छप करता हुआ बच्चा स्कूल पहुंचता था किंतु कमरों में पानी ही पानी होने की वजह से छुट्टियां कर दी जाती थी। ब्लैकबोर्ड भी खुरदुरे तथा धुंधले होते थे, जिन पर शिक्षक की लिखावट भी बच्चों को दिखाई नहीं देती थी। लेखन सामग्री का अभाव था, अनेक बच्चे किताबें कॉपियां खरीदने में सक्षम नहीं थे। माता-पिता इतने गरीब थे कि घर चलाने के चक्कर में उन्हें बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देने की फुर्सत ही नहीं थी अनेकों को तो यह भी पता नहीं रहता था कि उनके बच्चे कौन सी कक्षा में पढ़ रहे हैं? उक्त स्थिति के बाद भी भारत के सरकारी स्कूलों में बड़े-बड़े विद्वान, वैज्ञानिक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित राजनीतिक क्षेत्र में अच्छे नेताओं का निर्माण हुआ, क्योंकि उस समय स्कूल में बसें नहीं थी। इसलिए बच्चा पैदल कई कई किलोमीटर तक पैदल जाकर स्कूल जॉइन करता था। बीच में नदी नालों को भी पर करता था, पेड़ों पर चढ़ना स्कूल से तड़ी मार करके मित्रों के साथ खेलता था। नदी नालों तालाब और कुआं में तैरता था और जो बदमाश तथा उद्दंड बच्चों थे उनसे वह स्वयं संघर्ष करता था, मारता भी था और मार भी खाता था। किंतु अब प्राइवेट स्कूलों में अधिकांश बच्चे बस और अन्य वाहनों से स्कूल जाते हैं तथा उसी में बैठकर अपने घर आ जाते हैं उसके बाद या तो कोचिंग ट्यूशन या फिर ऐसे अनेक माता पिता है जो यह सोचते हैं कि मेरा बच्चा बिगड़ ना जाए इसलिए कॉलोनी और मोहल्ले के बच्चों के साथ उन्हें खेलने भी नहीं देते है तो बच्चों की संघर्ष क्षमता और उनका उनका सर्वांगीण विकास बाधित हो जाता है तथा वह संसार के उतार चढ़ाव के बीच समायोजन नहीं कर पाते, धैर्य खो देते हैं, निराशा या डिप्रेशन में चले जाते हैं और कभी-कभी आत्महत्या का सहारा भी ले लेते हैं।

शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे ने बताया कि बचपन से ही माता-पिता उसके दिमाग में डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या आईआईटियन और न जाने क्या-क्या बनने के सपने भर देते हैं तथा उसकी योग्यता का अनुमान लगाये बगैर उससे बड़ी अपेक्षाएं करते हैं यदि उन अपेक्षाओं के परिणाम स्वरूप यदि कुछ बच्चे उच्च स्थान पर पहुंच भी जाते हैं तो फिर भी समाज के प्रति उनकी संवेदना मरी हुई होती है। एक अधिकार संपन्न अधिकारी होने के बाद भी उसके मन में समाज के प्रति ममत्व, गरीबों के प्रति दया का भाव न्यूनतम रहता है। वह लालची एवं सिद्धांत विहीन जीवन जीते हैं और किसी के कल्याण करने का विचार भी उनके मन में नहीं आता क्योंकि उन्होंने विद्यार्थी जीवन में सामाजिक जीवन जिया ही नहीं इसलिए वह किसी भी क्षेत्र में प्रैक्टिकल नहीं होते।

शिक्षाविद् श्री चन्द्रे के अनुसार लालची माता-पिता की संतान भी उनसे बढ़कर लालची होती है और उनकी लालच इस चरम पर पहुंच जाती है कि वह अपने माता-पिता और परिवार से भी दूरियां बना लेते हैं। आप सोचो ऐसी शिक्षा क्या काम की, ऐसा धन क्या काम का, ऐसी अफसरी यह क्या काम की, ऐसी सफलता क्या काम है जो हमारे परिवार समाज और देश के काम ना आए उससे तो वही लोग अच्छे हैं जो गरीबी की जिंदगी जी कर शिक्षा प्राप्त करते है। आप जब भी देखेंगे मोहल्ले या कॉलोनी अथवा समाज कोई संकट होता है तो सरकारी स्कूल में पढ़े हुए, झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले, गरीबी से जीवन काटने वाले मौके पर सबसे ज्यादा आगे होते हैं जबकि तथाकथित क्वालिफाइड लोग अपने एयर कंडीशन रूम से बाहर तक नहीं निकलते। इसलिए सरकारी स्कूल हो या प्राइवेट स्कूल हो, जब तक शिक्षा, समाज के सरोकारों से नहीं जुड़ती परिवार के सरोकारों से नहीं जुड़ती तब तक उसका कोई औचित्य नहीं है इस दिशा में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को अवश्य ध्यान देना चाहिए।

विश्व उपभोक्ता दिवस पर जागरूकता शिविर, अधिकारियों ने दी कानूनी जानकारियां

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपूर्ति अधिकारी नारायण सिंह चंद्रावत द्वारा बताया गया कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मंदसौर में विश्व उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में एक वृहद जागरूकता शिविर एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिला विधिक सहायता प्राधिकरण, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग तथा उपभोक्ता संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में उपभोक्तआओ के अधिकारों के प्रति संकल्प दिलाया गया। विधिक और कानूनी अधिकारों पर जोर मुख्य अतिथि अधिवक्ता प्रमोद कुमार मेनारिया (चीफ, लीगल एडवाईजर) ने कहा कि ÷उपभोक्ता अपने अधिकारों को पहचानें। यदि आपके साथ कोई धोखाधड़ी होती है, तो विधिक सहायता प्राधिकरण आपको निःशुल्क कानूनी परामर्श और सहायता प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है।÷

संगठनों की सक्रिय भूमिका अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के नवनीत शर्मा ने संगठन के ध्येय %जागो ग्राहक जागो% पर बल दिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री जादोन द्वारा खाद्य सामग्री में हो रही मिलावट के बारे में जानकारी दी एवं उपभोक्ताओं को खाद्य सामग्री क्रय करते समय क्या सावधानी रखनी चाहिए इसके बारे में प्रकाश डाला। ग्राहक पंचायत की सदस्य डोली मक्कड़ ने उपभोक्ता कानूनों के बारे में जानकारी दी। जिला आपूर्ति अधिकारी नारायण सिंह चंद्रावत ने शासन द्वारा जनहित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। नापतोल विभाग निरीक्षक श्री बारापात्रे ने इलेक्ट्रोनिक कांटों की सत्यता और वजन करने के सही तरीके प्रदर्शित किए। पेट्रोल-गैस सुरक्षा पेट्रोल की शुद्धता मापने हेतु फिल्टर पेपर टेस्ट और गैस सिलेंडर की एक्सपायरी डेट देखने की विधि समझाई। इस अवसर पर श्री विश्वमोहन अग्रवाल (अध्यक्ष, उपभोक्ता उत्थान संगठन) उपस्थित रहे एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री रघुराज सिंह डोडिया एवं श्रीमती आराधना खड़िया ने भी उपभोक्ताओं के प्रत्रों के उत्तर दिए। आभार के दौरान जिला आपूर्ति अधिकारी श्री चंद्रावत ने कहा कि ऐसे आयोजन उपभोक्ताओं के सर्वांगीण विकास और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए आवश्यक हैं।

मालाहेडा में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर सम्पन्न - 36 रोगियों ने लाभ लिया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार आयुष्मान आरोग्य मंदिर मालाहेड़ा के द्वारा निश्शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित किया गया। शिविर में आमवात, संधिवात, चर्म रोग, उदर रोग, विबंध, श्वास,कास, प्रतिश्याय, रक्त अल्पता, अर्श ,गैस, अम्लपित आदि से पीड़ित रोगियों की जांच कर निश्शुल्क औषधि वितरित की गई। शिविर में कुल 36 लाभार्थी को औषधीया वितरित की गई तथा डॉ.आबिद खान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के द्वारा मौसमी बीमारियों से बचने के उपाय, तनाव से मुक्ति, स्वच्छता अभियान, दिनचर्या, पोषण से सम्बन्धित जानकारी दी। शिविर में पंचायत सदस्य, औषधालय स्टाफ, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका, आदि उपस्थित थे।

विधायक की पहल पर जावद में 'जहर मुक्त खेती' का राष्ट्रीय महायज्ञ, 28 मार्च से जुटेंगे देशभर के किसान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभवतः यह पहला अवसर है, जब कोई जनप्रतिनिधि किसानों को 'आत्मनिर्भर' और खेती को 'जहर मुक्त' बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इतना बड़ा बीड़ा उठा रहा है। रासायनिक खाद के अत्यधिक बोझ और कर्ज के चक्रव्यूह में फंसे अन्नदाताओं को उबारने के लिए नीमच जिले की जावद तहसील अब देशव्यापी बदलाव का केंद्र बिंदु बनने जा रही है। पूर्व मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा की अनूठी पहल पर 28 से 31 मार्च 2026 तक जावद में चार दिवसीय 'जीरो बजट जहरमुक्त खेती शिविर' का भव्य आयोजन होने जा रहा है।

पीएम मोदी के विजन को साकार करेंगे डॉ. पालेकर - इस महासंगम में 'कृषि ऋषि' के नाम से विख्यात पद्मश्री डॉ. सुभाष पालेकर स्वयं मौजूद रहेंगे। कृषि क्षेत्र में डॉ. पालेकर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बेहद विश्वस्त माना जाता है।

गोली फायर कर जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को कठोर दण्ड, 6 वर्ष की सजा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश मंदसौर आसिफ अब्दुल्लाह साहब द्वारा प्राणघातक हमला करने वाले आरोपियों को 6 वर्ष के कठोर कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अपर लोक अभियोजक भगवतीलाल शर्मा द्वारा बताया गया कि घटना 22 जुलाई 2024 की होकर फरियादी इसराईल घटना के एक वर्ष पूर्व सन्नो पिता शमशु चिल्लु निवासी- मुल्तानपुरा के साथ परिवार की रजामंदी के बिना निकाह किया था। इस कारण सन्नो का भाई आपताफ एवं शाहरुख उससे रंजिश रखते थे इस कारण शादी के बाद वह रतलाम रहने लगा घटना दिनांक को वह अपने दादा महरूम अब्दुल मस्जिद के सवा महीने के कार्यक्रम में शामिल होने तीन दिन पहले अपने घर मुल्तानपुरा मे आया था, और उक्त दिनांक को दिन के लगभग 3 बजे वह अपने चाचा अकबर ढोल के बाडे के बाहर चचेरे भाई अरबाज के साथ बैठा हुआ था।

उसी समय आरोपी सोहेल टांडिया दो बार उसके घर के चक्कर लगाकर गया और लगभग 3.15 बजे पित्याखेडी रोड की तरफ से सोहेल टांडिया मोटरसाइकिल से आगे आगे पैदल आ रहा था। शाहरुख चिल्लु ने चिल्लाकर बोला की, ये इसराईल बैठा है, गोली मार इसको तभी सोहेल टांडिया ने उसे देखकर मोटरसाईकल रोकी और आपताफ मोटरसाइकिल से उतरकर पिस्टल निकाली तभी फरियादी इसराईल पिस्टल देखकर घबराकर घर के अंदर भागा और उसके पीछे आपताफ चिल्लु बाडे के अन्दर आया और जान से मारने की नियत से उस पर पिस्टल से फायर किया। भागने के कारण वह अचानक गिर गया और चिल्लाया तो तीनो आरोपी फरार हो गये। फायरिंग की आवाज सुनकर लोग इकट्ठा हो गये। उन लोगों ने घटना देखी इस आधार पर पुलिस थाना यशोधर्मन नगर पर अपराध दर्ज किया गया। उक्त अपराध की विवेचना थाने के उपनिरीक्षक कपील सौराष्ट्रीय द्वारा की गई इनके द्वारा चला हुआ बुलेट जब्त किया गया तथा मौका निरीक्षण किया गया पिस्टल जब्त की गई तथा संपूर्ण विवेचना की जाकर न्यायालय मे अभियोग पत्र पेश किया। अभियोजन की और से उक्त मामले मे कुल 12 साक्षियों के कथन कराये गये तथा 31 दस्तावेजो को प्रदर्शित कराया गया तथा मामला प्रमाणित किया जिसके आधार पर दोषी पाते हुए 6 वर्ष का कठोर कारावास अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। उक्त मामले मे सफल पैरवी अपर लोक अभियोजक भगवतीलाल शर्मा एवं भगवानसिंह चौहान द्वारा की गई।

जिले की सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ताए स्वास्थ्य जांच की सही-सही रिर्पोट अंकित करें- श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सभी स्वास्थ्य कार्यकताए स्वास्थ्य जांच की सही-सही रिर्पोट टीकाकरण कार्ड पर अंकित करें। उक्त निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक को संबोधित करते हुए दिए। कलेक्टर ने कहा, कि सामान्यत- देखा जाता है, कि गर्भवती महिला के टीकाकरण कार्ड पर स्वास्थ्य पैरामीटर्स सामान्य लिखे होते है, जबकि हायर सेंटर पर जांच कराने पर महिला हायरिस्क की श्रेणी में परिलक्षित होती है। जिससे उसका उचित प्रबंधन नहीं हो पाता । जरूरी है, कि ए.एन.एम. समय पर सही जांच कर, टीकाकरण कार्ड पर अंकित करें। इस प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित स्वास्थ्य कार्यकर्ता के खिलाफ सख्त दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में श्री चंद्रा ने प्रसव पूर्व जांच, प्रसव के दौरान 4 जांच, हाईरिस्क गर्भवती महिला का चिंहाकन एवं उनका प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा करते हुए कमजोर प्रदर्शन वाले सेक्टर मेडिकल आफिसर एवं सेक्टर सुपरवाईजर को नोटिस जारी करने एवं अच्छा कार्य करने वाले सेक्टर मेडिकल आफिसर एवं सेक्टर सुपरवाईजर को प्रशंसा पत्र जारी करने के निर्देश दिए है। बैठक में समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा भी की। नोडल अधिकारियों को 31 मार्च 2026 तक लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए।

श्री वैष्णव बैरागी समाज चतुः संप्रदाय की प्रदेशस्तरीय बैठक संपन्न, छात्रावास को कब्जा मुक्त कराने और प्रतिमा स्थापना की उठी मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री वैष्णव बैरागी समाज चतुः संप्रदाय की एक महत्वपूर्ण प्रदेश स्तरीय बैठक आज स्थानीय स्तर पर संपन्न हुई। इस गरिमामयी बैठक में समाज की प्रदेश एवं जिला इकाई के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे, जहां समाज के भविष्य और गौरव से जुड़े विभिन्न ज्वलंत विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से समाज के हितों को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।

बैठक के दौरान समाज के छात्रावास की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। उपस्थित सदस्यों ने एक स्वर में निर्णय लिया कि समाज के छात्रावास पर वर्तमान में जो भी अवैध कब्जा है, उसे शीघ्र अति शीघ्र हटाया जाए। समाज के पदाधिकारियों ने मांग की कि छात्रावास का पूर्ण अधिकार वापस समाज को सौंपा जाना चाहिए। ताकि छात्र-छात्राओं को शिक्षा ग्रहण करने के दौरान रहने की उचित और सुविधायुक्त व्यवस्था मिल सके। इसी कड़ी में समाज की सांस्कृतिक विरासत और आस्था को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि समाज के आराध्य देव जगतगुरु श्री 1008 रामानंदाचार्य जी महाराज की भव्य प्रतिमा शहर के किसी प्रमुख चौराहे पर स्थापित की जाए। समाजजनों का मानना है कि प्रतिमा की स्थापना और उसके भव्य अनावरण से न केवल समाज की धार्मिक आस्था को सम्मान मिलेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ी भी अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सकेगी। बैठक के समापन के पश्चात समाज का एक प्रतिनिधिमंडल जिला कलेक्टर के कार्यालय पहुँचा, जहाँ उक्त मांगों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपकर प्रशासन से मांग की गई कि अवैध कब्जे हटाने और प्रतिमा स्थापना की अनुमति प्रदान करने हेतु शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि यदि प्रशासन द्वारा इन उचित मांगों पर जल्द ही सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो समाज को मजबूरन आगे की रणनीति तय करते हुए आंदोलन का मार्ग अपनाना पड़ेगा। बैठक में समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, सक्रिय कार्यकर्ता और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

हॉट स्पॉट क्षेत्र में बच्चों के श्रेणी सुधार के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करें-श्री चंद्रा

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति बैठक सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता की उपस्थिति में जिला पोषण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को आयोजित की गई। बैठक में पीपीटी के माध्यम से जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने विस्तार से विभागीय जानकारी प्रस्तुत की।

बैठक में बताया गया, कि नीमच जिले की आंगनवाडी केंद्रों स्त्रऋ के माध्यम से सेवाएं उपलब्ध कराने और न्यूनतम 21 दिवस आंगनवाड़ी केंद्र खुलने में नीमच जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। बताया गया, कि ,आभा आईडी में नीमच जिला प्रदेश में तीसरे और संभाग में प्रथम, अपार आईडी बनवाने में प्रदेश में पांचवे ओर संभाग में प्रथम स्थान, बच्चो को गर्म पका भोजन वितरण में प्रदेश में तीसरे ओर संभाग में प्रथम, टेकहोम राशन वितरण में प्रदेश में पांचवे और संभाग में प्रथम, अति गंभीर कुपोषित बच्चों के श्रेणी सुधार में प्रदेश ओर संभाग में प्रथम स्थान पर, आंगनवाड़ी केंद्रों पर शाला पूर्व शिक्षा उपलब्ध करवाने में जिला प्रदेश में चौथे और संभाग में प्रथम स्थान पर रहा है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बैठक में जिले की उक्त उपलब्धियों पर संपूर्ण विभागीय टीम को बधाई दी।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने निर्देश दिए, कि जिले में आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित संचालन सुनिश्चित करें। सैम, मैम एवं अतिकम वजन के बच्चों का वास्तविक चिन्हांकन करें,सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रोंमें शेष कार्य पूर्ण करवाये, कोलोकेशन वाले आंगनवाड़ी केंद्रों का सत्यापन करें,जिले में चिन्हित हॉट स्पॉट वाले आंगनवाड़ी केंद्रों पर विशेष ध्यान दे। सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में सुविधाओं के विस्तार करें और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ले। कलेक्टर ने सभी आंगनवाडी केंद्रों में शाला पूर्व अनौपचारिक शिक्षा का अधिक प्रभावी ढंग से आयोजन नियमित रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होने आंगनवाडी केंद्रों में शेष 03 से 06 वर्ष के बच्चों को दर्ज करवाने, सेम एवं मेम श्रेणी के बच्चों के श्रेणी सुधार के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमवन वैष्णव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.प्रसाद,जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.मनीष यादव, श्री वैभव बैरागी, सभी सीडीपीओ एवं सेक्टर सुपरवाईजर उपस्थित थे।

लीड कॉलेज प्राचार्य ने किया स्वयंसेवकों का स्वागत, राज्य स्तरीय शिविर में बढ़ाया नीमच का मान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश की राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्र) का 23वां राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर 8 से 14 मार्च तक चित्रकूट (जिला सतना) स्थित दीनदयाल शोध संस्थान के उद्यमिता परिसर में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। इस शिविर का आयोजन अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के निर्देशन में किया गया, जिसका शुभारंभ प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने किया।

सात दिवसीय इस शिविर में प्रदेश के सात विश्वविद्यालयों से करीब 600 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। नीमच जिले का प्रतिनिधित्व पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय के स्वयंसेवक उमेद पंवार और दिव्यांशी धाकड़ ने किया, जिन्होंने सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन की ओर से हिस्सा लेकर जिले का गौरव बढ़ाया। शिविर के दौरान बौद्धिक, सांस्कृतिक और व्यक्तित्व विकास से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। उमेद पंवार को एक बौद्धिक सत्र की अध्यक्षता का अवसर मिला, वहीं दिव्यांशी धाकड़ ने सांस्कृतिक संध्या में मंच संचालन कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दोनों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए नेतृत्व, समय प्रबंधन और व्यक्तित्व विकास जैसे महत्वपूर्ण कौशल सीखे।

शिविर के समापन के बाद जब दोनों स्वयंसेवक नीमच लौटे, तो महाविद्यालय परिवार ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रशांत मिश्रा और कार्यक्रम अधिकारी प्रो. राकेश कस्वां सहित समस्त स्टाफ ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दलित परिवार की मांग न्याय दो या सामूहिक आत्महत्या की अनुमति

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम दासिया में चने की फसल को लेकर शुरू हुआ विवाद अब गंभीर हिंसा में बदल गया है। इस घटना में घायल दलित परिवार के सदस्य जिला चिकित्सालय में भर्ती हैं, जहां बुधवार को उन्होंने तख्तियां लेकर न्याय की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। पीड़ितों ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें शीघ्र न्याय नहीं मिला, तो वे सामूहिक आत्महत्या करने को मजबूर होंगे।प्राप्त जानकारी के अनुसार, 26 फरवरी को भेरूलाल मोगिया के परिवार का गांव के ही मोहनसिंह और उसके पिता बाबूसिंह से चने की फसल को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने भेरूलाल की बहन नीतू के साथ मारपीट की और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया। पीड़ित परिवार ने इसकी शिकायत थाना अजाक में की, लेकिन उनका आरोप है कि पुलिस ने समय पर एफआईआर दर्ज नहीं की।पीड़ितों का कहना है कि शिकायत के बाद से ही उन पर समझौते का दबाव बनाया जा रहा था। इसी रंजिश के चलते 15 मार्च को आरोपियों ने दोबारा उनके घर और खेत पर हमला कर दिया। इस हमले में नीतू, उनके पिता प्रेमचंद और माता को लाठी-डंडों से पीटा गया, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। महिला और पुरुष के हाथ में फ्रैक्चर है,जबकि एक बालिका के सिर में गंभीर चोट आई है।घटना के बाद सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।अस्पताल में ही पीड़ित परिवार ने तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की। तख्तियों पर न्याय दो या सामूहिक आत्महत्या की अनुमति जैसे संदेश लिखे हुए थे।प्रेमचंद्र मोगिया का कहना है कि यदि पहली शिकायत पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की होती, तो दोबारा हमला नहीं होता। उन्होंने निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल परिवार भय के साए में जी रहा है और गांव छोड़ने की स्थिति में पहुंच चुका है।

नीमच में भारत विकास परिषद का चुनाव संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत विकास परिषद शाखा नीमच के सत्र 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। स्थानीय रोटरी सामुदायिक हॉल में आयोजित होली मिलन समारोह के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया पूरी की गई, जिसमें बड़ी संख्या में परिषद सदस्यों की उपस्थिति रही।

निर्वाचन प्रक्रिया पर्यवेक्षक पंकज पोरवाल (मनासा), प्रांतीय संरक्षक सुनील सिंहल, संस्थापक अध्यक्ष अशोक अग्रवाल (एलआईसी), वर्तमान अध्यक्ष रवि पोरवाल, सचिव पिंटू शर्मा एवं अन्य सदस्यों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से नई टीम का चयन किया गया।

मीडिया प्रभारी मनोज माहेश्वरी ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद के लिए पुरुषोत्तम गुप्ता (एलआईसी) को निर्विरोध चुना गया। वहीं, सचिव पद पर सतीश गोयल (बैंक), कोषाध्यक्ष पद पर संदीप दरक (असगंध वाला) तथा महिला संयोजिका के रूप में श्रीमती सुनीता अनिल चौधरी को नियुक्त किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद सचिव पिंटू शर्मा द्वारा वर्षभर की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष पुरुषोत्तम गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि सभी के सहयोग से परिषद को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जाएगा और सेवा व संस्कार के मूल्यों को और मजबूती दी जाएगी।

कार्यक्रम का सफल संचालन मनोज माहेश्वरी ने किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन द्वारा दिनदयाल वाणिज्य परिसर, बस स्टेंड, नानाखेडा उज्जैन म.प्र. स्थित भूखंड क. 3/7, का पटट्टा विलेख (Lease Deed) श्री लक्ष्मणदास पिता श्री विरूमल जी सूखवानी के पक्ष मे दिनांक 02/09/1999 को निष्पादित एवम दस्तावेज क 3337 के माध्यम से उपपंजीयक कार्यालय उज्जैन में पंजीकृत किया गया था तथा श्री लक्ष्मणदास पिता श्री विरूमल जी सूखवानी द्वारा श्री रामनिवास गुप्ता पिता स्व श्री विद्यारामजी गुप्ता एवम श्री शिवदत्त गुप्ता पिता स्व श्री विद्यारामजी गुप्ता के पक्ष में दिनांक 20/01/2003 को निष्पादित एवम दस्तावेज क 4716 के माध्यम से उपपंजीयक कार्यालय उज्जैन में पंजीकृत पटट्टा विलेख (Lease Deed) के मूल दस्तावेज कहीं खो गए है, व काफी प्रयास करने के बाद भी नही मिल रहे है। अतएव इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि, उक्त दस्तावेज यदि किसी व्यक्ति को मिले हो अथवा किसी के आधिपत्य मे हो तो कृपा कर निम्न सूचनाकर्ता को दिये गए पते पर संपर्क कर लौटाने की कृपा करे।

दिनांक 19/03/2026
स्थान-उज्जैन

सूचनाकर्ता
संस्कार पिता स्व रामनिवस गुप्ता
3/7, दिनदयाल बस स्टेंड, नानाखेडा,
उज्जैन म.प्र. मो. नं. 89825 20262

सम्पादकीय

सड़कें अब शुद्धिकरण का केंद्रः प्रदूषण को हराने वाला बायो-टावर

अब दिल्ली घुटती नहीं, जवाब देती है–और यह जवाब किसी मशीन ने नहीं, जीवित प्रकृति ने दिया है। बरसों से जहरीली हवा का बोझ ढोती राजधानी आज एक नई उम्मीद के साथ खड़ी है–माइक्रोएल्गी आधारित प्योरएयर टावर के रूप में। एयरोसिटी के पास एनएच-48 के व्यस्त कॉरिडोर पर स्थापित यह संरचना महज तकनीक नहीं, बल्कि विज्ञान और प्रकृति के अद्भुत संगम की जीवंत मिसाल है। सड़क के बीचों-बीच खड़ा यह ÷जीवित एयर प्यूरीफायर÷ न केवल प्रदूषण को थाम रहा है, बल्कि उसे ऑक्सीजन में बदलकर शहर को नई सांस दे रहा है। यह पहल साफ संकेत देती है कि आने वाला शहरी भविष्य कंक्रीट से नहीं, बल्कि जैविक समाधान पर आधारित होगा।

जब सारे पारंपरिक उपाय बेअसर होकर ठहर गए, तब यह टावर एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति के रूप में उभरकर सामने आया। दिल्ली में पहले लगाए गए स्मॉग टावर बड़े, ऊर्जा-खपत वाले और सीमित प्रभाव वाले साबित हुए थे। इसके विपरीत, माइक्रोएल्गी प्योरएयर टावर सीधे उसी सड़क स्तर पर सक्रिय होता है, जहां प्रदूषण अपनी चरम सघनता पर होता है। यह न शोर करता है, न जटिल मशीनों पर निर्भर रहता है। इसके बजाय, यह सूक्ष्म शैवालों की प्राकृतिक प्रक्रिया का उपयोग करता है, जो प्रदूषकों को अपने पोषण के रूप में ग्रहण करते हैं। यह प्रणाली केवल प्रदूषण को रोकती नहीं, बल्कि उसे उपयोगी संसाधन में परिवर्तित करती है– यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

जब सूक्ष्मता ही असली ताकत बन जाए, तब माइक्रोएल्गी का विज्ञान अपने प्रभाव से चौंकाता है–छोटा आकार, पर व्यापक और ठोस असर। ये सूक्ष्म जीव पानी में रहते हुए पेड़ों की तरह प्रकाश संश्लेषण करते हैं, लेकिन कहीं अधिक तेज़ और दक्षता के साथ। सूर्य प्रकाश और एलईडी की सहायता से ये कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर ऑक्साइड तथा पीएम2.5 व पीएम10 जैसे कणों को अवशोषित करते हैं। शोध बताते हैं कि कुछ प्रजातियां पेड़ों की तुलना में 10 से 50 गुना अधिक कार्बन सोखने में सक्षम हैं। इस पूरी प्रक्रिया में न हानिकारक अपशिष्ट बनता है, न अतिरिक्त ऊर्जा लगती है–यह एक स्वाभाविक और सतत समाधान है।

जब एक छोटा-सा ढांचा ही ÷हरे फेफड़े÷ की ताकत समेट ले, तब इस टावर की असली क्षमता सामने आती है। एक अकेला टावर सालाना लगभग 340 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर सकता है और करीब 15 लाख लीटर ऑक्सीजन उत्पन्न करता है। इसका प्रभाव लगभग 15ङ्ग20 परिपक्व पेड़ों के बराबर है, जबकि यह केवल कुछ वर्ग मीटर जगह घेरता है। शहरी इलाकों में, जहां जमीन सीमित है और पेड़ों को बढ़ने में वर्षों लगते हैं, यह टावर तुरंत सक्रिय होकर परिणाम देने लगता है। यह केवल हवा को शुद्ध नहीं करता, बल्कि उत्पन्न बायोमास को खाद या बायोचार में बदलकर सर्कुलर इकोनॉमी का भी सशक्त हिस्सा बनता है।

जब समाधान सिर्फ रोकने नहीं, बल्कि रूपांतरित करने लगे, तभी असली बदलाव जन्म लेता है–और यही नई सोच इस तकनीक में झलकती है। जहां पारंपरिक एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम प्रदूषण को फिल्टर में कैद कर आगे कचरे की नई समस्या खड़ी करते थे, वहीं यह टावर उसी प्रदूषण को उपयोगी संसाधन में बदल देता है। यह एक बायोमिमेटिक फोटोबायोरिएक्टर है–यानी प्रकृति की कार्यप्रणाली से प्रेरित प्रणाली। इसकी ऊर्जा खपत न्यूनतम, रखरखाव सरल और कार्यप्रणाली सतत है। इस दृष्टि से यह समाधान केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी कहीं अधिक टिकाऊ और व्यावहारिक है।

जब दूरदृष्टि और शोध की मजबूती मिलती है, तभी ऐसा नवाचार आकार लेता है जो वास्तव में असरदार हो। इस टावर के पीछे केवल तकनीक नहीं, बल्कि ठोस वैज्ञानिक सोच है। भारतीय वैज्ञानिकों और स्टार्टअप्स ने इसे स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित किया है। माइक्रोएल्गी की ऐसी प्रजातियां चुनी गई हैं जो दिल्ली की गर्मी, धूल और उच्च प्रदूषण में भी टिक सकें। साथ ही, इसमें रीयल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम है, जो वायु गुणवत्ता, अवशोषित कार्बन और उत्पन्न ऑक्सीजन की जानकारी देता है। यह डेटा-आधारित दृष्टिकोण भविष्य के शहरी नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

जब हवा ही ज़हर बन जाए, तब उसे शुद्ध करने वाला हर समाधान जीवनदाता बन जाता है–यही इस तकनीक की असली ताकत है। इसका सीधा असर आम लोगों की सेहत पर पड़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वायु प्रदूषण हर साल लाखों समयपूर्व मौतों का कारण बनता है। दिल्ली जैसे शहर में यह संकट और गहरा है, जहां सांस, हृदय और न्यूरोलॉजिकल बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में सड़क स्तर पर प्रदूषण घटाने वाला यह टावर बच्चों, बुजुर्गों और रोजाना सफर करने वालों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। यह केवल हवा साफ नहीं करता, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।

जब सड़कें सिर्फ रास्ता नहीं, बल्कि समाधान बनने लगें, तभी भविष्य की असली दिशा स्पष्ट होती है–जहां विकास और पर्यावरण साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। यदि इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाए, तो शहरों के हाईवे, फ्लाईओवर और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र प्रभावी बायो-डिवाइडर में बदल सकते हैं। यह न केवल प्रदूषण को नियंत्रित करेगा, बल्कि शहरी हरियाली को एक नई पहचान और विस्तार देगा।

कार्यस्थल, महिला स्वास्थ्य और मासिक धर्म अवकाश

मासिक धर्म स्त्री जीवन की एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है, किंतु लंबे समय तक इसे सामाजिक संकोच, मौन और उपेक्षा के दायरे में रखा गया। आधुनिक समय में जब कार्यस्थलों पर लैंगिक समानता, समावेशिता और संवेदनशील नीतियों की चर्चा तेज हुई है, तब अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश की अवधारणा भी विमर्श के केंद्र में आई है। कई देशों और संस्थानों ने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान विशेष अवकाश देने की नीतियाँ अपनाई हैं, ताकि वे शारीरिक असुविधा और मानसिक तनाव के समय आराम कर सकें। किंतु यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या ऐसी अनिवार्य नीतियाँ वास्तव में कार्यस्थल पर समानता को बढ़ावा देती हैं, या फिर अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को और मजबूत कर देती हैं। इस संदर्भ में इस मुद्दे का आलोचनात्मक विश्लेषण आवश्यक है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि मासिक धर्म के दौरान कई महिलाओं को शारीरिक पीड़ा, थकान, चक्कर, या हार्मोनल परिवर्तन के कारण मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कार्यस्थल पर निरंतर काम करना उनके लिए कठिन हो सकता है। अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश की नीति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा करना है। यह नीति इस बात को स्वीकार करती है कि महिलाओं की जैविक आवश्यकताएँ भिन्न होती हैं और उन्हें उसी अनुसार कार्यस्थल पर सहूलियत मिलनी चाहिए। इस दृष्टि से यह नीति लैंगिक संवेदनशीलता का प्रतीक है और महिलाओं के प्रति सहानुभूति और सम्मान को बढ़ावा देती है।

इसके अतिरिक्त, अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश कार्यस्थलों पर लंबे समय से चले आ रहे उस मौन को भी तोड़ने का प्रयास है, जिसमें मासिक धर्म को छिपाने या शर्म की चीज़ माना जाता था। जब संस्थान औपचारिक रूप से इस विषय को स्वीकार करते हैं, तब यह सामाजिक स्तर पर भी एक सकारात्मक संदेश देता है कि मासिक धर्म कोई कमजोरी नहीं बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इससे महिलाओं को अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने का साहस मिलता है और कार्यस्थल का वातावरण अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है।

कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि ऐसी नीतियाँ कार्यस्थलों पर उत्पादकता को भी अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ा सकती हैं। जब कर्मचारियों को आवश्यकता के समय आराम मिलता है, तो वे स्वस्थ होकर बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। यदि किसी महिला को मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक दर्द या असुविधा है और फिर भी उसे काम करना पड़ता है, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में अल्पकालिक अवकाश उसे शारीरिक और मानसिक रूप से संतुलित करने में सहायक हो सकता है। इस प्रकार, स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील नीतियाँ दीर्घकालिक दृष्टि से संस्थानों के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं।

हालाँकि, इस नीति के पक्ष में प्रस्तुत इन तर्कों के साथ-साथ इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों को भी गंभीरता से समझना आवश्यक है। कई आलोचकों का मानना है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा दे सकती हैं। यदि किसी संस्थान को यह लगता है कि महिला कर्मचारियों को हर महीने अतिरिक्त अवकाश देना पड़ेगा, तो वह भर्ती के समय पुरुष उम्मीदवारों को प्राथमिकता दे सकता है। विशेष रूप से निजी क्षेत्र में, जहाँ उत्पादकता और समय-प्रबंधन को अत्यधिक महत्व दिया जाता है, वहाँ नियोक्ता महिलाओं को अतिरिक्त दायित्व के रूप में देखने लग सकते हैं।

इस दृष्टिकोण से यह भी कहा जाता है कि अनिवार्य अवकाश की नीति महिलाओं को कम सक्षम या कम विश्वसनीय कर्मचारी के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह धारणा बन सकती है कि महिलाएँ हर महीने कुछ दिनों तक कार्य के लिए अनुपलब्ध रहेंगी, जिससे उनके प्रति नियोक्ताओं का दृष्टिकोण नकारात्मक हो सकता है। परिणामस्वरूप, महिलाओं को उच्च पदों, नेतृत्व की भूमिकाओं या महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अवसर कम मिल सकते हैं। इस प्रकार, जो नीति महिलाओं के हित में बनाई जाती है, वही अनजाने में उनके पेशेवर विकास के रास्ते में बाधा बन सकती है।

एक और महत्वपूर्ण आलोचना यह है कि सभी महिलाओं का मासिक धर्म अनुभव समान नहीं होता। कुछ महिलाओं को इस दौरान अत्यधिक पीड़ा होती है, जबकि कई महिलाएँ सामान्य रूप से अपने कार्य कर सकती हैं। यदि अवकाश अनिवार्य बना दिया जाए, तो यह उन महिलाओं के लिए भी लागू होगा जिन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। इससे यह संदेश जा सकता है कि मासिक धर्म के दौरान हर महिला कार्य करने में असमर्थ होती है, जो वास्तविकता से मेल नहीं खाता। इसलिए कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अनिवार्य शब्द स्वयं में समस्या पैदा कर सकता है।

इसके अलावा, यह भी तर्क दिया जाता है कि यदि कार्यस्थलों पर केवल महिलाओं के लिए विशेष अवकाश की व्यवस्था की जाती है, तो यह समानता के सिद्धांत के साथ विरोधाभास पैदा कर सकती है। लैंगिक समानता का मूल विचार यह है कि सभी कर्मचारियों को समान अवसर और समान सम्मान मिले। यदि किसी एक समूह को विशेषाधिकार दिए जाते हैं, तो दूसरे समूह में असंतोष या असमानता की भावना उत्पन्न हो सकती है। हालांकि यह तर्क पूरी तरह से उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि समानता का अर्थ हमेशा समान व्यवहार नहीं बल्कि न्यायसंगत व्यवहार भी होता है, फिर भी इस दृष्टिकोण को नीति निर्माण में ध्यान में रखना आवश्यक है।

कई देशों के अनुभव भी इस बहस को जटिल बनाते हैं। कुछ स्थानों पर मासिक धर्म अवकाश की नीति लागू होने के बावजूद महिलाओं ने इसका उपयोग कम किया है, क्योंकि उन्हें डर होता है कि इससे उनके प्रति नकारात्मक धारणा बन सकती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल नीति बनाना पर्याप्त नहीं है; कार्यस्थल की संस्कृति और मानसिकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि संस्थान का वातावरण संवेदनशील और सहयोगी नहीं है, तो कर्मचारी उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने में संकोच कर सकते हैं।

इस संदर्भ में कुछ विशेषज्ञ अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश के बजाय लचीली और वैकल्पिक नीति का समर्थन करते हैं। उनका मानना है कि कर्मचारियों को यह स्वतंत्रता दी जानी चाहिए कि वे अपनी शारीरिक स्थिति के अनुसार अवकाश ले सकें। उदाहरण के लिए, सामान्य चिकित्सा अवकाश या लचीले कार्य समय की व्यवस्था ऐसी हो सकती है जिसमें महिला कर्मचारी आवश्यकता पड़ने पर घर से काम कर सकें या कुछ समय के लिए विश्राम ले सकें। इस प्रकार की व्यवस्था व्यक्तिगत जरूरतों का सम्मान करती है और साथ ही अनिवार्यता से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को भी कम कर सकती है। इसके साथ ही, कार्यस्थलों पर मासिक धर्म से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वच्छ शौचालय, सैनिटरी उत्पादों की उपलब्धता, और संवेदनशील कार्य वातावरण महिलाओं के लिए अत्यधिक सहायक हो सकते हैं। कई बार अवकाश से अधिक महत्वपूर्ण यह होता है कि कार्यस्थल ऐसा हो जहाँ महिलाएँ बिना झिझक अपनी आवश्यकताओं के बारे में बात कर सकें और उन्हें आवश्यक सहयोग मिल सके।

वास्तव में, इस पूरी बहस का मूल प्रश्न यह है कि समानता का अर्थ क्या है। क्या समानता का अर्थ यह है कि सभी कर्मचारियों के साथ बिल्कुल समान व्यवहार किया जाए, या फिर यह कि उनकी भिन्न आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें न्यायसंगत सुविधाएँ दी जाएँ? आधुनिक नारीवादी दृष्टिकोण यह मानता है कि वास्तविक समानता तभी संभव है जब जैविक और सामाजिक अंतर को ध्यान में रखते हुए नीतियाँ बनाई जाएँ। इस दृष्टि से मासिक धर्म अवकाश का विचार पूरी तरह से अनुचित नहीं है। लेकिन इसे इस प्रकार लागू करना आवश्यक है कि यह महिलाओं को कमजोर या कम सक्षम साबित करने के बजाय उनकी गरिमा और अधिकारों को मजबूत करे। अंततः यह कहा जा सकता है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा प्रस्तुत करती हैं। एक ओर वे महिलाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और संवेदनशीलता को मान्यता देती हैं, वहीं दूसरी ओर वे अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देने का जोखिम भी पैदा कर सकती हैं। इसलिए नीति निर्माण में संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। अनिवार्यता के बजाय लचीली नीतियाँ, जागरूकता, और संवेदनशील कार्यस्थल संस्कृति इस दिशा में अधिक प्रभावी समाधान हो सकते हैं।

समाज और संस्थानों को यह समझना होगा कि मासिक धर्म कोई बाधा नहीं बल्कि जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है। यदि कार्यस्थल ऐसी नीतियाँ विकसित करें जो महिलाओं के स्वास्थ्य का सम्मान करें और साथ ही उनकी पेशेवर क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें, तभी वास्तविक लैंगिक समानता की दिशा में सार्थक कदम उठाया जा सकेगा।

-डॉ. प्रियंका सौरभ

अमेरिका को अराजक बनाते ट्रंप, ईरान पर हमला अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन

कल्पना कीजिए कि ईरान अपने एजेंट मेक्सिको में उतार दे और वहां टेक्सास सीमा से वे अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर एक मिसाइल दाग दें। भले ही उनकी ऐसी कोई मंशा न हो, लेकिन इस दौरान लापरवाही के चलते ऐसे हमले में कोई अमेरिकी स्कूल ध्वस्त हो जाए, जिसमें 175 जान गंवानी पड़ें। इसके बाद वे तेल डिपो को जलाने लग जाएं और लोगों को रासायनिक वर्षा का शिकार बनाएं। ऐसी स्थितियों में स्कूल, क्लिनिक और सामान्य जनजीवन ठप पड़ जाए और फिर भी ईरानी नेता धमकाएं कि अमेरिकी को इस हद तक तबाह कर देंगे कि वह कभी फिर से उठ खड़ा न हो पाए। निश्चित ही ऐसी स्थिति में राष्टपति डोनल्ड ट्रंप के साथ-साथ हम सभी लोग निर्दोष नागरिकों पर हुए इस घृणित हमले को लेकर अपना आक्रोश प्रकट करेंगे और ऐसा करना बिल्कुल सही भी होगा।

युद्ध का परिदृश्य हमेशा त्रासद होता है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इस त्रासदी ने और विकराल रूप ले लिया। तब अमेरिका ने अपनी मारक क्षमताएं दिखाईं कि महज कुछ ही घंटों के दौरान वह कैसे लाखों लोगों को काल के गाल में धकेल सकता है। युद्ध के बाद अपने दामन पर पड़े छींटों को साफ करने की मंशा से आत्ममंथन करते हुए अमेरिका ने ऐसे वैश्विक प्रयासों को लेकर पहल की, जिसमें युद्ध की विकरालता न बढ़े और खासतौर से आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे। तब जिनेवा कन्वेंशन जैसे प्रोटोकॉल के अतिरिक्त ऐसे अन्य अनेक उपाय किए गए कि युद्ध के दौरान पेयजल स्रोतों जैसे ढांचों को कतई निशाना न बनाया जाए, ताकि नागरिकों की परेशानी न बढ़े। हालांकि, सभ्यता-मानवता को पोषित करने वाली ऐसी परंपरा भी हाल के वर्षों में कई बार तार-तार हुई है। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस ने नागरिकों के लिए बिजली की आपूर्ति तक काट दी। इससे हाड़ कंपाने वाली सर्दियां यूक्रेन के लोगों के लिए और बेरहम साबित होने लगी। संयुक्त राष्ट्र आयोग के अनुसार इजरायल ने गाजा में फलस्तीन के लोगों को दाने-दाने के लिए तरसा दिया। उसने स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर शैक्षणिक संस्थानों तक पर भीषण बमबारी की और बच्चों को भी निशाना बनाने से गुरेज नहीं किया। संयुक्त अरब अमीरात ने सूडान में ऐसी मिलीशिया को शह दी, जिसने सामूहिक दुष्कर्मों और नरसंहार को अंजाम दिया। वहां पहले से ही मुश्किलें झेल रहे लोगों पर आफत की एक नई बारिश हो गई। जहां तक गाजा की बात है तो वहां अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए जा रहे हथियारों से ही तबाही मचाई गई और वाशिंगटन ने अपने सहयोगी की निंदा करने से भी परहेज ही किया।

-धनंजय राजौरा

नौ माताओं के महापर्व के साथ हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं

नवरात्रि का पहला दिन यानी प्रतिपदा तिथि मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री को समर्पित माना जाता है। इस दिन जौ (जवार)बोने तथा कलश स्थापना पूजन के साथ ही देवी का पूजन किया जाना शुभ माना जाता हैद्य यह भी शास्त्रों में लिखा गया है कि प्रथम दिवस में माता की पूजा करते समय आराधक यदि लाल, गुलाबी ,नारंगी और रानी रंग के कपड़े पहन कर पूजा करने से माता का संपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त होता हैद्य द्वितीय दिवस यानी नवरात्रि के दूसरे दिन अत्यंत दिव्य देवी ब्रह्मचारिणी की उपासना का विधान है सिद्धि के लिए इस दिन मां की उपासना करते समय सफेद,पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है एवं इस पवित्र दिन में आराधना करने से मनवांछित इच्छाओं की प्राप्ति होती है। तृतीय दिवस में बाघ पर सवार स्वर्ण के समान रंग एवं छटा वाली मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है।इस दिन पीला, लाल, दूधिया या केसरिया रंग कपड़े पहनना शुभ माने जाते हैं एवं इन रंगों के कपड़े पहनकर देवी की आराधना करने से उनका आशीर्वाद एवं कृपा की प्राप्ति होती है। नवरात्रि में चतुर्थ दिवस में इस भव संसार के ब्रह्मांड की रचना करने वाली दुर्गा मां के चौथे रूप के रूप में देवी कुष्मांडा की आराधना एवं भक्ति की जाति है। इस दिन इस प्रकृति की देवी के स्वरूप की मन से आराधना करना शुभ फल देने वाला है एवं देवी प्रकृति की देवी हैं इनकी उपासना इस दिवस में पीला ,हरा, लाल और भूरे रंग का वस्त्र पहनकर करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है, एवं देवी प्रसन्न होती हैं। नवरात्रि के पावन पर्व पर पंचम दिवस पर पंचमी तिथि को भगवान कार्तिकेय की माता देवी स्कंदमाता की आराधना एवं श्रद्धा के साथ पूजा की जाती है। नवरात्रि के इस पावन पर्व पर छठवें दिन ऋषि कात्यायन की पुत्री कात्यायनी मां की पूजा अर्चना का शास्त्रों में पूजा का विधान माना जाता है। माता कात्यायनी अमोघ फलदाईनी होती हैं भक्तों द्वारा इस दिन लाल, नारंगी, गुलाबी, गेरुआ, मूंगा रंग के कपड़े पहनकर माता रानी की पूजा करने से ऐश्वर्या के साथ वैवाहिक जीवन में शांति सुख समृद्धि प्राप्त होती है। दुर्गा पूजा के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा तथा अर्चना का विधान है, नवरात्रि की पूजा में तंत्र साधना करने वाले लोग इस दिन काले रंग का वस्त्र धारण करके इनकी पूजा अर्चना करते हैं साधकों को इस दिन बैगनी, स्लेटी ,नीला एवं आसमानी रंग का वस्त्र धारण कर मां के इस दिव्य रूप की पूजा अर्चना करनी चाहिए जिससे संपूर्ण ग्रह बाधाएं दूर होती हैं। नवरात्रि के आठवें दिन सर्व सौभाग्य दाइनी देवी महागौरी की उपासना का दिन माना जाता है। यह अत्यंत पवित्र दिन होता है और यह देवी धन, वैभव, सुख, शांति की शक्तिशाली देवी मानी जाती हैं। इनकी पूजा के दौरान साधकों को रातों को केसरिया संतरी गुलाबी या लाल रंग के वस्त्र धारण करके पूजा करनी चाहिए जिससे सुख एवं सौभाग्य की अखंड प्राप्ति होती है। शिवरात्रि मैं माताओं के नौ रूपों में दुर्गा पूजा के नौवें तथा आखरी दिन संपूर्ण विधि विधान, रीति रिवाज और पूर्ण निष्ठा के साथ देवी की आराधना करने वाले साधकों को संपूर्ण सिद्धियां प्राप्त होती हैं और इनकी उपासना के समय हरा धागों को लाल गुलाबी नारंगी रंग के वस्त्र पहनने से समाज में पद प्रतिष्ठा वैभव एवं धन की प्राप्ति होती है।

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों का पूजन अर्चना एवं निष्ठा से की गई आराधना से इस जगत का कल्याण भी होता है साथ ही इस पवित्र 9 दिनों में असंख्य दीप जलाकर माता को प्रसन्न करने का प्रयास किया जाता है। नवरात्रि में उपवास रखने तथा विधि विधान से अर्चना करने से मनुष्य का जीवन तथा परलोक सफल होना शास्त्रों के अनुसार तय माना जाता है। आप सभी को चैत्र नवरात्रि कथा हिंदू नव वर्ष की अनंत शुभकामनाएं एवं बधाइयां।

-संजीव ठाकुर

प्रसन्नता का वैश्विक संकल्प और भारतीय संदर्भ

मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य क्या है-धन, वैभव, पद या प्रतिष्ठा। इन सबके पार जाकर यदि कोई तत्व जीवन को वास्तविक अर्थ देता है तो वह है खुशी। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2012 में 20 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के रूप में घोषित किया और 2013 से यह दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाने लगा। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है, बल्कि एक वैश्विक चेतना का विस्तार है, जो इस विश्वास पर आधारित है कि खुशी प्रत्येक मनुष्य का मौलिक अधिकार है और उसके बिना विकास अधूरा है। इस वर्ष की थीम 'एक साथ खुश रहें है', जो हमें यह संदेश देती है कि खुशी का वास्तविक अर्थ केवल व्यक्तिगत संतोष नहीं, बल्कि सामूहिक आनंद और सामाजिक जुड़ाव में निहित है। पिछले वर्षों में ÷साथ मिलकर खुश रहना÷ और ÷खुशी बाँटना÷ शामिल थे, जो लोगों को दयालुता और मित्रता के माध्यम से खुशियां फैलाने के लिए प्रोत्साहित करते थे। 2026 का विषय है ÷देखभाल और साझा करना÷ जो इस बात पर ज़ोर देता है कि स्थायी खुशी एक-दूसरे की देखभाल करने, जुड़ाव महसूस करने और एक समुदाय का हिस्सा होने से मिलती है।

विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 के अनुसार भारत 143 देशों में 126वें स्थान पर है। यह आंकड़ा पहली दृष्टि में चिंताजनक लगता है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकताओं को समझना भी आवश्यक है। भारत जैसा विशाल, बहुविधताओं से भरा और अनेक चुनौतियों से जूझता देश, जिसकी जनसंख्या विश्व में शीर्ष पर है, उसकी तुलना छोटे और कम जटिल देशों से करना कितना उचित है, यह विचारणीय है। जिन देशों को शीर्ष पर रखा गया है, वहां आबादी कम है, सामाजिक संघर्ष सीमित हैं और प्रशासनिक समस्याएं अपेक्षाकृत सरल हैं। इसके विपरीत भारत में गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, असमानता और क्षेत्रीय विषमताओं जैसी जटिल समस्याएं हैं, जिनसे निपटना एक बड़ा दायित्व है। फिर भी भारत ने पिछले एक दशक में उल्लेखनीय प्रगति की है। लगभग 25 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से बाहर आना, डिजिटल क्रांति के माध्यम से आम नागरिक का सशक्त होना, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका, ये सभी उपलब्धियां इस बात का संकेत हैं कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति की सराहना कर रही हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या केवल आय, सामाजिक सुरक्षा और जीवन प्रत्याशा जैसे संकेतकों के आधार पर ही खुशी को मापा जाना उचित है? क्या सांस्कृतिक मूल्यों, पारिवारिक संबंधों, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता को नजरअंदाज कर देना न्यायसंगत है?

भारतीय संस्कृति में खुशी का अर्थ बाहरी संसाधनों से अधिक आंतरिक संतोष से जुड़ा है। यहां 'संतोष परम सुखम्' का सिद्धांत जीवन का आधार रहा है। भारतीय दर्शन यह सिखाता है कि इच्छाओं की असीमित पूर्ति नहीं, बल्कि इच्छाओं का संयम और आत्मनियंत्रण ही स्थायी प्रसन्नता का मार्ग है। आज की उपभोक्तावादी संस्कृति में हमने खुशी को वस्तुओं और सुविधाओं से जोड़ दिया है। नई वस्तु मिलने पर क्षणिक प्रसन्नता अवश्य मिलती है, लेकिन वह जल्दी ही समाप्त हो जाती है और उसके स्थान पर नई इच्छाएं जन्म ले लेती हैं। इस प्रकार व्यक्ति एक अंतहीन दौड़ में उलझ जाता है, जहां संतोष का कोई ठहराव नहीं होता। खुशी का वास्तविक पैमाना यह नहीं है कि हमारे पास कितना है, बल्कि यह है कि हम जो कुछ है, उसमें कितना संतुष्ट और कृतज्ञ हैं। एक प्रसन्न समाज का निर्माण तभी संभव है जब नागरिक स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और आशावान महसूस करें। आर्थिक अवसरों की समानताएं प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलताएं सामाजिक संबंधों की मजबूती और नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा-ये सभी तत्व मिलकर खुशहाली का आधार बनाते हैं। यदि आम नागरिक को अपने प्रयासों का उचित प्रतिफल मिले और उसे जीवन में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो, तो उसकी प्रसन्नता स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी।

आज के समय में बढ़ती नकारात्मकता, तनाव और अकेलापन खुशी के मार्ग में सबसे बड़ी बाधाएं बनकर उभरे हैं। कई लोग भौतिक रूप से समृद्ध होते हुए भी मानसिक रूप से थके हुए, निराश और ऊर्जा विहीन महसूस करते हैं। वे पर्याप्त विश्राम के बावजूद थकान का अनुभव करते हैं, कार्य के प्रति उत्साह खो देते हैं और जीवन में उद्देश्यहीनता महसूस करते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी है कि विकास के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक संतुलन पर भी ध्यान देना आवश्यक है। इस वर्ष की थीम 'एक साथ खुश रहें' हमें यह सिखाती है कि खुशी का सबसे बड़ा स्रोत हमारे संबंध हैं। परिवार के साथ बिताया गया समय, मित्रों के साथ साझा की गई हंसी, समाज के लिए किया गया सेवा कार्य और किसी जरूरतमंद की सहायता-ये सभी अनुभव हमें भीतर से समृद्ध करते हैं। जब हम दूसरों की खुशी का कारण बनते हैं, तो हमारी अपनी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसका अस्तित्व संबंधों के बिना अधूरा है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने संबंधों को मजबूत करें, संवाद बढ़ाएं और सामूहिकता की भावना को पुनर्जीवित करें।

खुशहाल राष्ट के निर्माण में सरकार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। गरीबी, भूख, कुपोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और उद्यमिता जैसी चुनौतियों का समाधान किए बिना व्यापक खुशहाली संभव नहीं है। सरकार को नीतियों और योजनाओं के माध्यम से आम नागरिक के जीवन स्तर को सुधारने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। साथ ही प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी आवश्यक है ताकि नागरिकों का विश्वास मजबूत हो सके। जब शासन निस्वार्थ भाव से कार्य करता है तभी समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके साथ ही समाज और नागरिकों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। यदि हम भ्रष्टाचार, अनैतिकता और अपराध के खिलाफ जागरूकता नहीं फैलाएंगे तो खुशहाली का सपना अधूरा ही रहेगा। बुराइयों से मुक्ति तभी संभव है जब उनके दुष्परिणामों का सही ज्ञान हो और अच्छाइयों को अपनाने के लिए निरंतर प्रयास किया जाए। नैतिकता, ईमानदारी और सेवा भाव को जीवन में स्थान देना ही स्थायी प्रसन्नता का मार्ग प्रशस्त करता है। हर व्यक्ति की खुशी की परिभाषा अलग होती है, लेकिन कुछ सार्वभौमिक सिद्धांत ऐसे हैं जो सभी के जीवन में प्रसन्नता ला सकते हैं। कृतज्ञता का भाव विकसित करना, सकारात्मक सोच अपनाना, अपने संबंधों को समय देना, स्वास्थ्य का ध्यान रखना, दूसरों की सहायता करना और जीवन के छोटे-छोटे क्षणों का आनंद लेना-ये सभी सरल उपाय हैं लेकिन इनका प्रभाव अत्यंत गहरा होता है। मुस्कुराना और हंसना न केवल तनाव को कम करता है, बल्कि हमारे भीतर नई ऊर्जा का संचार भी करता है।

अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि खुशी कोई बाहरी वस्तु नहीं है, जिसे हम प्राप्त कर लें, बल्कि यह एक आंतरिक अनुभूति है, जिसे हमें विकसित करना होता है। यह एक यात्रा है, जिसमें हमें अपने विचारों, व्यवहार और संबंधों को संतुलित रखना होता है। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की गलतियों से सीखें, वर्तमान को सजगता से जिएं और भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। यदि हम अपने आसपास के लोगों में भी सकारात्मकता और आशा का संचार कर सकें, तो यह एक बड़े परिवर्तन की शुरुआत होगी। इसके लिये जरूरी है कि हम इस अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस पर यह संकल्प लें कि हम केवल अपनी खुशी तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दूसरों की खुशी का भी कारण बनेंगे। जब हम एक साथ खुश रहने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे, तभी एक सशक्त, समरस, शांतिपूर्ण और खुशहाल समाज का निर्माण संभव होगा। यही इस दिवस का सार है और यही मानवता के उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी।

-ललित गर्ग

शुभता, शुचिता व शक्ति की आराधना का पर्व - गुड़ी पड़वा

वन्दे वाञ्छितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्॥

भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है नवरात्रि। चैत्र नवरात्रि का प्रथम दिवस लूनार कैलेंडर के अनुसार भारतीय नव वर्ष के रूप में उत्साह पूर्वक मनाया जाता है।

नवरात्रि में देवी के नौ रूपों का पूजन व साधना की जाती है वस्तुतः यह सभी स्वरूप स्वयं आदिशक्ति द्वारा समय व आवश्यकतानुसार धारण किए गए। स्वयं आदिशक्ति श्री माताजी निर्मला देवी जी ने अपनी अमृतवाणी में इसका उल्लेख किया है देवी नौ बार पृथ्वी पर आईं, देवी ने उन सभी लोगों से युद्ध किया जो साधकों का विनाश कर रहे थे तथा उनका जीवन दूभर कर रहे थे। सताए हुए इन महात्माओं ने देवी से प्रार्थना की, उन्होंने भगवती की पूजा की और देवी नौ बार आवश्यकतानुसार अवतरित हुईं।

नवरात्रि के प्रथम दिवस मां शैलपुत्री की आराधना की जाती है। मां शैलपुत्री, श्री आदिशक्ति का प्रथम अवतरण मानी जातीं हैं क्योंकि इससे पूर्व श्री आदिशक्ति सुरभि गाय के रूप में अवतरित हुई थीं। उन्होंने हिमालय में जन्म लिया था इसलिए उन्हें शैलपुत्री (हिमालय की पुत्री) कहा जाता है।

चैत्र नवरात्रि का प्रथम दिवस भारत के कुछ भागों में गुड़ी पड़वा के रूप में भी मनाया जाता है महाराष्ट्र मैं विशेष तौर पर इसे भव्य रुप में आयोजित किया जाता है श्री माताजी ने गुड़ी पड़वा का वर्णन अपनी अमृतवाणी में इस प्रकार किया है कि, यह दिन इसलिए मनाया जाता है क्योंकि यह नए साल का दिन है।... इसे गुड़ी पड़वा कहते हैं। इस दिन वे एक छोटे से झंडे के साथ एक छड़ी पर एक छोटा घड़ा डालते हैं। घड़ा कुंडलिनी का प्रतिनिधित्व करता है।

इस गुड़ी पड़वा कुंडलिनी शक्ति की मात्र प्रतीकात्मक पूजा ना करके अपनी कुंडलिनी शक्ति को साक्षात जागृत करने का प्रयत्न करें। श्री माता जी के सानिध्य में कुंडलिनी जागरण द्वारा अपना आत्म साक्षात्कार प्राप्त कर कुंडलिनी शक्ति की चैतन्य लहरियों का आनंद सम अनुभव करें।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन कलेक्टर कार्यालय और इंदौर बायपास ब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

श्रमिकों की संख्या बढाकर कलेक्टर कार्यालय निर्माण कार्य को जुलाई-2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उन्हें समय-सीमा में पूर्ण करने के उद्देश्य से निर्माणाधीन कलेक्टर कार्यालय और इंदौर बायपास ब्रिज निमार्ण कार्य का निरीक्षण किया। कलेक्टर सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिये कि श्रमिकों की संख्या बढाकर निर्माण कार्य को जुलाई-2026 तक पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि देवास माताजी टेकरी से प्रसिद्ध है इसलिए नागरिकों की धार्मिक आस्था को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर कार्यालय के मुख्य द्वार पर दोनों ओर माताजी की थ्रीडी पेंटिंग बनाई जाये। इस दौरान उन्होंने संबंधित इंजीनियरों से लेआउट के माध्यम से जानकारी भी ली। कलेक्टर सिंह ने कहा कि हर 15 दिन में निर्माणाधीन कलेक्टर कार्यालय का उनके द्वारा निरीक्षण किया जायेगा।

कलेक्टर सिंह ने इंदौर बायपास ब्रिज निमार्ण कार्य का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि निर्माण कार्य के दौरान सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जाये। कलेक्टर सिंह ने नागरिकों/यात्रियों की आवागमन सुविधा को देखते हुए निर्माण कार्य को बरसात से पहले पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने इस दौरान नाले से अतिक्रमण हटवाने के निर्देश भी दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करते रहेंगे। कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर मौके पर जाकर निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के निर्देश भी दिये।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार, अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर संजीव जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला, तहसीलदार श्रीमती सपना शर्मा एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित शिविरों में 6903 हितग्राही हुए लाभान्वित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले में ''संकल्प से समाधान अभियान के तहत केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं/सेवाओं का हितग्राहियों को हितलाभ वितरण करने के लिए सभी विकासखण्डों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में क्लस्टर स्तर पर हितलाभ वितरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत जिसके तहत बुधवार को आयोजित शिविरों में 6903 हितग्राहियों को विभिन्न विभागों की योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

खातेगांव एवं हरणगांव में कार्यवाही कर होटल/रेस्टोरेन्टों से 17 घरेलू गैस सिलेण्डरों को जप्त किये

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने बताया कि सोमवार को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खातेगांव द्वारा हरणगांव एवं खातेगांव में घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपायोग रोकने के लिए होटल/रेस्टोरेन्टों की जांच की गई। जांच के दौरान हरणगांव में 04 प्रतिष्ठानों से 07 घरेलू गैस सिलेण्डर एवं खातेगांव में 09 प्रतिष्ठानों से 10 घरेलू गैस सिलेन्डरों का व्यावसायिक दुरूपयोग करते पाये जाने पर घरेलू गैस सिलेण्डरों को जप्त कर संबंधितों के विरूद्ध प्रकरण तैयार किये गये। इन प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत कर संबंधितों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के अकोदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत मखावत गांव में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में जान चली गई। मंगलवार देर रात मजदूर को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक तौर पर घटना को छत से गिरना बताया गया था, लेकिन मृतक के पिता ने बहू के परिजनों (ससुराल पक्ष) पर मारपीट कर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाकर मामले को उलझा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान उज्जैन निवासी विनोद पवार के रूप में हुई है। विनोद भोपाल में मजदूरी का काम करता था और हाल ही में अपनी पत्नी को वापस ले जाने के लिए मखावत गांव आया हुआ था। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 1 से 2 बजे के बीच उसे लहूलुहान अवस्था में शाजापुर जिला अस्पताल लाया गया।

यहां जांच के बाद ड्यूटी डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पुलिस चौकी पर पदस्थ प्रधान आरक्षक पदम सिंह ने बताया कि मखावत गांव के चौकीदार ने प्रारंभिक जानकारी में बताया था कि विनोद छत से गिर गया था, जिसके कारण उसके सिर में गंभीर चोटें आई थीं। वहीं घटना के बाद बुधवार सुबह जब मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे, तो उन्होंने छत से गिरने की थ्योरी को सिरे से नकार दिया। मृतक के पिता प्रकाश पवार ने आरोप लगाया है कि विनोद की पत्नी के परिजनों ने उसके साथ जमकर मारपीट की है और साजिशन उसकी हत्या की है। फिलहाल मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा पर मंगल तिलक लगाकर करेंगे नव वर्ष की शुरुआत जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी जिला देवास द्वारा हिन्दू नववर्ष एवं गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर नागरिकों को तिलक लगाकर शुभकामनाएं देने का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सैंधव के नेतृत्व में आयोजित होगा, जिसमें भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं आमजन के साथ हर्षोल्लासपूर्वक पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर नागरिकों को शुभकामनाओं के साथ गुड़ और धनिया (प्रसाद) का वितरण भी किया जाएगा।

कार्यक्रम दिनांक 19 मार्च 2026, गुरुवार को प्रातः 7 बजे से 9 बजे तक सिविल लाइन चौराहा, देवास पर आयोजित होगा। भाजपा जिला संगठन ने सभी कार्यकर्ता बंधुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी जिला देवास परिवार द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिला कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई एवं सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार एवं सह मीडिया प्रभारी प्रतीक सोलंकी ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि हिन्दू नववर्ष एवं गुड़ी पड़वा के इस पावन अवसर पर आमजन के साथ हर्षोल्लासपूर्वक पर्व मनाया जाएगा।

मजहब से ऊपर इंसानियत, वर्षों से रमजान में सेहरी के लिए जगा रहे विलेश व्यास, मुस्लिम समाज ने साफा बांधकर किया ऐतिहासिक इस्तकबाल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंसानियत और भाईचारे की कोई सरहद नहीं होती, इसे शाजापुर शहर में एक बार फिर सच साबित कर दिखाया है। शहर में गंगा-जमुनी तहजीब और कौमी एकता की एक ऐसी शानदार और दिल छू लेने वाली तस्वीर सामने आई है, जो आज के समय में पूरे देश के लिए एक बड़ी नजीर है। विगत कई वर्षों से पवित्र मुकद्दस रमजान माह में मुस्लिम अकीदतमंदों को अलसुबह सेहरी के लिए जगाने का नेक और निस्वार्थ कार्य कर रहे शहर के विलेश व्यास का मुस्लिम समाज द्वारा ऐतिहासिक और भव्य सम्मान किया गया।

मोहब्बत और एहतराम के साथ बांधा साफा- विलेश व्यास की इस निस्वार्थ सेवा और उनके भीतर बसे सांप्रदायिक सौहार्द को सलाम करते हुए मुस्लिम समाज के लोगों ने गर्मजोशी के साथ उनका अभिनंदन किया। स्वागतकर्ता कयामुद्दीन गौरी, इकरामुद्दीन गौरी, बाबू भाई, यूनुस भाई सहित समाज के अन्य गणमान्य नागरिकों ने व्यास जी के सिर पर सम्मान का साफा बांधा और उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर उनका तहे दिल से इस्तकबाल किया।

नींद त्याग कर निभा रहे फर्ज- गौरतलब है कि विलेश व्यास के लिए यह किसी एक दिन की बात नहीं है, बल्कि यह उनका सालों का नियम बन चुका है। हर साल रमजान के मुकद्दस महीने में वे अपनी नींद त्यागकर अलसुबह उठते हैं और मुस्लिम भाइयों को रोजे की शुरुआत सेहरी के वक्त के लिए जगाने का काम करते हैं। उनका यह सेवा भाव बिना किसी दिखावे के अनवरत जारी है, जो दोनों धर्मो के बीच प्रेम, विश्वास और एकता के मजबूत धागे को पिरोने का काम कर रहा है।

दिलों को जोड़ने वाले सच्चे सिपाही हैं विलेश- सम्मान समारोह के दौरान मौजूद मुस्लिम समाज के लोगों की आंखें इस आपसी भाईचारे को देखकर नम और चेहरे पर गर्व था। स्वागतकर्ताओं ने कहा कि विलेश जी जैसे लोग ही समाज में इंसानियत के वो सच्चे सिपाही हैं, जिनके कारण हमारी साझा संस्कृति और आपसी मोहब्बत आज भी मजबूती से कायम है। हम उनके इस जज्बे की तहे दिल से कद्र करते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक और दोनों ही समाज के लोग मौजूद थे, जिन्होंने इस नेक पहल की जमकर तारीफ की।

नाबार्ड और जन अभियान परिषद् की योजनाओं से रूबरू हुईं महिलाएं, प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण संपन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् की नवांकुर योजना के तहत शहर के आदर्श नवीन नगर में प्रस्फुटन समितियों के लिए एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कंचन वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 40 महिलाओं समिति सदस्यों और नवांकुर सखियों ने हिस्सा लेकर समिति संचालन व सामुदायिक विकास के गुर सीखे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र भेंटकर किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक) के जिला विकास प्रबंधक कोरी ने उपस्थित महिलाओं को नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं को मिलने वाले सहयोग की विस्तृत जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि के रूप में बाल गंगाधर तिलक विद्यालय (सुनेरा) के संचालक गोपाल उदासी ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाते हुए सभी को इसके प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं, समन्वयक विष्णु नागर ने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और ग्रामीण विकास में नवांकुर संस्थाओं की महती भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं संस्था की सचिव गायत्री वर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा महिलाओं एवं ग्रामीण समुदाय के सशक्तिकरण के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के समापन पर सभी 40 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

शहरी हाईवे से दिनदहाड़े बाइक चोरी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में एक अज्ञात चोर ने दिनदहाड़े बाइक चोरी की वारदात को अंजाम दिया। शांतिवन शहरी हाईवे स्थित आईसीआईसीआई बैंक के पास से बुधवार दोपहर 12 से 1 बजे के बीच यह घटना हुई। बताया जा रहा है कि एक सप्ताह के भीतर यह चोरी की दूसरी वारदात है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम दुपाड़ा निवासी रामकृष्ण राजोरिया अपने बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए आए थे। उन्होंने अपनी बाइक बैंक के बाहर ही खड़ी की थी और काम के सिलसिले में अंदर चले गए। कुछ देर बाद जब वे वापस लौटे, तो उन्हें अपनी बाइक वहां नहीं मिली। उन्होंने आसपास के क्षेत्र में काफी तलाश की और लोगों से पूछताछ भी की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद पीड़ित ने तत्काल कोतवाली थाने पहुंचकर मामले की जानकारी दी और शिकायत दर्ज कराई।

सरहद की माटी से महका एक्सीलेंस कॉलेज, मां तुझे प्रणाम यात्रा से लौटे छात्र ने प्राचार्य व स्टाफ को लगाया शौर्य का तिलक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश की सरहदों की हिफाजत करने वाले वीर जवानों के अदम्य साहस और शौर्य का अहसास बुधवार को शहर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस (बीकेएसएन) परिसर में जीवंत हो उठा। मध्य प्रदेश शासन की मां तुझे प्रणाम योजना के तहत राजस्थान के अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर की गौरवमयी यात्रा कर लौटे एनएसएस एम्बेसडर रवि कुमार अपने साथ सरहद की पावन मिट्टी लेकर आए। इसी मिट्टी से उन्होंने कॉलेज के प्राचार्य, स्टाफ और साथी छात्र-छात्राओं का तिलक कर युवाओं में राष्ट्रभक्ति का संचार किया।

माथे पर सजा जवानों के बलिदान का प्रतीक- मोहन बड़ोदिया विकासखंड से इस योजना के तहत चयनित होने वाले पहले युवा रवि कुमार का कॉलेज पहुंचने पर आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान एक भावुक और गौरवमयी दृश्य तब निर्मित हुआ, जब रवि ने सीमा से लाई गई पवित्र मिट्टी से प्राचार्य डॉ. एस.के. तिवारी और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रकाश बर्फा सहित सभी प्राध्यापकों व एनएसएस स्वयंसेवकों के माथे पर तिलक लगाया। यह तिलक सिर्फ मिट्टी का नहीं, बल्कि उन प्रहरियों के त्याग और बलिदान का प्रतीक था, जो विपरीत परिस्थितियों में भी देश की रक्षा के लिए अडिग खड़े रहते हैं।

रोंगटे खड़े कर देने वाला था लोंगेवाला का अनुभव- इस मौके पर रवि कुमार ने साथी छात्रों के साथ अपनी यात्रा के संस्मरण साझा किए। उन्होंने बताया कि जैसलमेर स्थित तनोत माता मंदिर और 1971 के ऐतिहासिक भारत-पाक युद्ध के गवाह रहे लोंगेवाला बॉर्डर को करीब से देखना जीवन का सबसे अद्भुत अनुभव रहा। वहां जाकर समझ आया कि भारतीय सेना किन चुनौतीपूर्ण और कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं की निगहबानी करती है। उनका यह अनुभव सुनकर उपस्थित युवाओं में भी देश सेवा के प्रति नई ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम के दौरान डॉ. दिनेश निगवाल, डॉ. बी.के. सोलंकी, डॉ. श्वेता चौहान, एनएसएस सीनियर हर्षिता पाटीदार, एसयूओ लक्ष्मी पुष्पद, कौशल्या सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से 3 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक, किसान को भारी नुकसान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के दुपाड़ा गांव में एक किसान की महीनों की मेहनत पल भर में राख हो गई। खेत के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन में हुए शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी से करीब 3 बीघा गेहूं की पकी हुई फसल जलकर खाक हो गई। इस घटना से पीड़ित किसान को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह पूरी घटना दुपाड़ा गांव के समीप स्थित धोबी पचोर क्षेत्र की है। यहां के निवासी किसान शहजाद खान के खेत में गेहूं की फसल कटाई के लिए पूरी तरह तैयार खड़ी थी। बताया जा रहा है कि खेत के ठीक ऊपर से बिजली के तार गुजर रहे हैं। बुधवार सुबह करीब 11 से 12 बजे के बीच अचानक इन तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ। तारों से निकली आग की चिंगारी सीधे नीचे खड़ी सूखी फसल पर जा गिरी। फसल सूखी होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया और देखते ही देखते पूरे खेत को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें और धुआं उठता देख किसान और आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए पास ही स्थित कुएं और बोरवेल के पानी का उपयोग कर आग बुझाना शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया, जिससे आसपास के अन्य खेत आग की चपेट में आने से बच गए। घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को भी दी गई थी, लेकिन दमकल वाहन के मौके पर पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझा ली थी।

मुआवजे की मांग- आग बुझने तक किसान शहजाद खान की 3 बीघा गेहूं की फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति खासा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि तारों के ढीलेपन और रखरखाव के अभाव के कारण यह हादसा हुआ है। पीड़ित किसान और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि राजस्व विभाग की टीम भेजकर जल्द से जल्द नुकसान का सर्वे कराया जाए और पीड़ित किसान को उचित आर्थिक मुआवजा प्रदान किया जाए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.स्वा.यां. संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन

द्वितीय, तृतीय एवं पाँचवा निविदा आमंत्रण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संघारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन निविदाओं का आंमत्रण लोक निर्माण विभाग में 'सी' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नानुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी एस.ओ.आर. दिनांक 02.08.2021 से प्रतिशत आधार, आईटम रेट आधार एवं लमसम आधार पर किया जाता हैं।

नि.स.क्रं .	प्रपत्र का प्रकार	कार्य का विवरण	कार्य की अनु लागत	प्रतिभूति राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य	पमयावधि	निविदा क्रय की अंतिम तिथि	दर प्रस्तुत करने की अंतिमतिथि
2025_UAD_412254_2	2.10	वार्ड क्रं. 19 में विभिन्न स्थानों पर एफ.डी.आर. मशीन द्वारा बोरिंग खनन कार्य।	501188/–	10025/–	2000/–	01 माह	30.03.2026	30.03.2026
2025_UAD_439067_2	2.10	वार्ड क्रं. 11 में विभिन्न 4 स्थानों पर बोरिंग खनन करने का कार्य।	504012/–	10100/–	2000/–	01 माह	30.03.2026	30.03.2026
2026_UAD_474271_2	2.10	वार्ड क्रं. 54 अंतर्गत विभिन्न 4 स्थानों पर हेण्डपंप का स्थापना कार्य।	131728/–	2640/–	1000/-	01 माह	30.03.2026	30.03.2026
2026_UAD_475524_2	2.10	वार्ड क्रं. 1 अंतर्गत विभिन्न 5 स्थानों पर एफ.डी.आर. बोरिंग खनन व हेण्पपंप स्थापना कार्य।	873783/–	17500/–	2000/-	1 माह	30.03.2026	30.03.2026
2026_UAD_480692_2	2.10	वार्ड क्रं. 42 अंतर्गत विभिन्न 3 स्थानों पर एफ.डी.आर. मशीन द्वारा बोरिंग खनन कार्य।	426074/–	8530/–	2000/-	01 माह	30.03.2026	30.03.2026
2026_UAD_480988_2	2.10	वार्ड क्रं. 14 में विभिन्न स्थानों पर हैण्डपंप स्थापना कार्य।	230524/–	4610/–	2000/-	02 माह	30.03.2026	30.03.2026
2025_UAD_411823_3	2.10	वार्ड क्रं. 19 में विभिन्न स्थानों पर बोरिंग खनन कार्य।	227795/–	4560/–	2000/-	01 माह	30.03.2026	30.03.2026
2025_UAD_414513_3	2.10	शीतल पैलेस कॉलोनी में टी कनेक्शन प्रदाय एवं स्थापना कार्य।	182466/–	3690/–	1000/-	01 माह	30.03.2026	30.03.2026
2025_UAD_414648_3	2.10	शॉरदा होम्स कॉलोनी में टी कनेक्शन प्रदाय एवं स्थापना कार्य।	186593/–	3740/–	1000/-	01 माह	30.03.2026	30.03.2026
2025_UAD_440049_3	2.10	वार्ड क्रं. 54 अंतर्गत मीणा नगर में 110 एम.एम. डाया की पी.व्ही.सी. पाईप लाईन डालने का कार्य।	167124/–	3350/–	1000/-	01 माह	30.03.2026	30.03.2026
2025_UAD_412724_5	2.10	कस्तुरी बॉग कॉलोनी में टी कनेक्शन प्रदाय एवं स्थापना कार्य।	184166/–	3690/–	1000/-	01 माह	30.03.2026	30.03.2026
2025_UAD_426144_5	2.10	वार्ड क्रं. 49 में विभिन्न स्थानों पर बोरिंग खनन एवं सिंगल फेज मोटर पंप सेट मय आवश्यक सामग्री स्थापना कार्य।	338343/–	6770/–	2000/-	01 माह	30.03.2026	30.03.2026

निविदा संबंधित अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा सूचना की जानकारी वेब साईट https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन दर्शाई गई हैं।

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. संधा. खण्ड न.पा.नि. उज्जैन

आयुक्त
नगर पालिक निगम उज्जैन

विक्रम सम्वत् 2083
भारतीय नववर्ष
की हार्दिक
मंगलकामनाएं

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

राज्यस्तरीय
जल गंगा संवर्धन
अभियान
जनभागीदारी की अनूठी पहल का
तृतीय चरण : 19 मार्च से 30 जून 2026
शुभारंभ
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा

इस्कॉन मंदिर, इंदौर

पिछले दो चरणों में 3.50 लाख से अधिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन के साथ नए निर्माण कार्य, भू-जल स्तर में वृद्धि और खेतों के लिए संजीवनी साबित हो रहे हैं

आइये, सब जुड़ें
जब सब जुड़ेंगे, तब ही जल बचेगा, धरती बचेगी
आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित होगा

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D11222/25
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

शिप्रा तट पर आज मनेगा 'उज्जयिनी गौरव दिवस'

महादेव नदी कथा से होगी शुरुआत, विशाल मिश्रा की प्रस्तुति, ड्रोन शो-आतिशबाजी और विक्रमादित्य अलंकरण रहेंगे आकर्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी उज्जैन में पिछले एक माह से जारी विक्रम उत्सव 2026 अपने पहले चरण के भव्य समापन की ओर है। 19 मार्च को शाम 7 बजे शिप्रा तट पर सृष्टि आरंभ दिवस उज्जयिनी गौरव दिवस के रूप में इसका सबसे बड़ा आयोजन होगा। भक्ति, संस्कृति और आधुनिक तकनीक के संगम से सजा यह कार्यक्रम शहरवासियों के लिए यादगार बनने जा रहा है।

महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने बताया कि आयोजन की शुरुआत महादेव नदी कथा की नृत्य-नाट्य प्रस्तुति से होगी, जिसमें शिप्रा और भगवान शिव की महिमा को मंच पर जीवंत किया जाएगा। इसके बाद पार्श्वगायक विशाल मिश्रा अपनी संगीतमय प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में आकर्षक ड्रोन शो और आतिशबाजी भी खास आकर्षण रहेंगे।

सुबह कोटि सूर्योपासना, दिनभर धार्मिक आयोजन- उत्सव की शुरुआत आज 19 मार्च को सुबह 5:30 बजे रामघाट और दत्त अखाड़ा पर कोटि सूर्योपासना से होगी। इसके साथ ही पूरे दिन धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियां चलेंगी। यह आयोजन न केवल उज्जैन, बल्कि प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर भी किया जा रहा है।

5000 कलाकार, 50 से ज्यादा आयोजन- विक्रम उत्सव ने इस बार भव्यता के नए आयाम छुए हैं। अब तक 5000 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां दे चुके हैं, जबकि 50 से ज्यादा मेले, कॉन्सर्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, विज्ञान सम्मेलन और बड़े व्यापार मेले ने इसे बहुआयामी स्वरूप दिया है।

सम्मान और प्रकाशनों का लोकार्पण- कार्यक्रम में सम्राट विक्रमादित्य अलंकरण के तहत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही विक्रम पंचांग 2083, भारत निधि, आर्ष भारत और 84 महादेव जैसे महत्वपूर्ण प्रकाशनों का लोकार्पण भी होगा।

दूसरे चरण में जल संरक्षण पर फोकस- विक्रम उत्सव का दूसरा चरण 19 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान के रूप में शुरू होगा। इसमें जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती और पर्यावरण जागरूकता पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। किसानों के लिए भी विशेष पहल की जाएगी।

सीएम सहित कई जनप्रतिनिधि होंगे शामिल- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि रहेंगे। उनके साथ मंत्री, सांसद, विधायक और शहर के जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

गौरव और परंपरा का संगम बना उत्सव-विक्रम उत्सव अब केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि उज्जैन की पहचान बन चुका है। यह उत्सव परंपरा, आस्था और आधुनिकता का ऐसा संगम है, जो शहर की गौरवशाली विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचा रहा है।

आत्महत्या से पहले युवक ने मोबाइल पर बनाया था वीडियो

इंगोरिया में रेलवे ट्रैक पर मिली थी गर्दन कटी लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम नारेला और बनबना के बीच रेलवे ट्रेक पर सोमवार-मंगलवार रात गर्दन कटी लाश की सूचना पर इंगोरिया थाना पुलिस घटनास्थल पहुंची। मृतक युवक की पहचान उसके पास मिले मोबाइल और कुछ दूरी पर खड़ी बाइक नम्बर के आधार पर की गई। युवक ने सुसाइड से पहले परिजनों को वीडियो बनाकर भेजा था।

थाना प्रभारी दिपेश व्यास ने बताया कि रात में रेलवे ट्रेक पर युवक गर्दन कटी लाश पड़ी होने की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। प्रथमदृष्टता मामला आत्महत्या का होना सामने आया। घटनास्थल पर जांच के दौरान मृतक युवक का मोबाइल और कुछ दूरी पर बाइक खड़ी मिली। जिसके आधार पर उसकी पहचान इंदरगिरी पिता कालू गिरी गोस्वामी 48 साल निवासी ग्राम सुराखेड़ी के रूप में हुई। परिजनों को सूचना दी गई और शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया। मंगलवार सुबह सामने आया कि इंदरगिरी ने आत्महत्या से पहले मोबाइल से वीडियो बनाया था, जिसे परिजनों को भेजा था। वीडियों में उसने कहा कि सुसाइड कर रहा हूं मैं थक गया हूं। पारिवारिक समस्या नहीं है। जीवन के किसी को कष्ट दिया हो तो क्षमा करना। बताया जा रहा है कि सुसाइड से पहले उसने शराब का सेवन भी किया था। थाना प्रभारी के अनुसार फिलहाल परिजनों के गमगीन होने पर बयान दर्ज नहीं हो सके है। जिसके चलते उक्त युवक द्वारा की गई आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ पाई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है। मोबाइल जांच में लिया गया है। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिजनों के बयान दर्ज किये जायेगें।

उज्जैन में 33 लोकेशन पर प्रापर्टी के रेट में 100 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाने का प्रस्ताव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का गृह नगर होने के साथ 2028 के सिंहस्थ महाकुंभ की मेजबानी की तैयारी में जुटा है, अब रियल एस्टेट के बड़े बदलाव की दहलीज पर खड़ा है। 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक के इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश, नई सड़कों, पुलों, मेडिकल कॉलेज और आईटी पार्क जैसे प्रोजेक्ट्स के बीच जिला प्रशासन ने प्रापर्टी गाइडलाइन दरों में औसतन 17.18 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है।

यह वृद्धि केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि उस तेजी से बदलते भूगोल और बढ़ती मांग का संकेत है, जो उज्जैन को राष्ट्रीय स्तर पर एक नए शहरी माडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ा रही है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए नई दरों के प्रस्तावों पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक में विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा सहित सभी तहसीलों के राजस्व अधिकारी मौजूद रहे। जिले की कुल 4353 लोकेशन में से 3229 स्थानों पर दरों में वृद्धि का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसमें शहरी क्षेत्र की 1665 और ग्रामीण क्षेत्र की 1564 लोकेशन शामिल हैं।

प्रस्तावित वृद्धि के अनुसार शहरी क्षेत्रों में औसतन 12.96 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 21.38 प्रतिशत बढ़ोतरी की जा रही है। इससे साफ है कि शहर के साथ-साथ ग्रामीण और परिधीय क्षेत्रों में भी जमीन की मांग तेजी से बढ़ रही है। तहसीलवार विश्लेषण में उज्जैन में 1189, तराना में 507, खाचरौद में 356, महिदपुर में 346 आदी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में तरणताल का लोकार्पण आज किया जाएगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में गुरूवार 19 मार्च को शाम 06 बजे देवास रोड़ पर 8.30 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित तरणताल (स्विमिंग पुल) का लोकार्पण किया जाएगा। उल्लेखनीय है की नगर निगम द्वारा उक्त तरणताल पुराने तरणताल के स्थान पर नया बनाया गया है। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों का विशेष ध्यान रखा गया है। तरणताल का कुल क्षेत्रफल 25×50 मीटर है तथा इसकी गहराई 4.5 फीट से 6.15 फीट तक रखी गई है।

इसके साथ ही बच्चों के लिए वार्मअप पुल भी निर्मित किया गया है जिसकी गहराई 2.5 फीट से 3 फीट रखी गई है। तरणताल में विजिटर गैलेरी बनाई गई है। जिसमें 200 से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। इसी के साथ पार्किंग, फूड कोर्ट, सिटिंग चेयर, पार्क, आधुनिक फिल्टर प्लांट, शावर की सुविधा और वेटिंग रूम की भी सुविधा भी रहेगी। तरणताल का संचालन नगर पालिका निगम द्वारा किया जाएगा।

चिंतामण गणेश की तीसरी जत्रा में उमड़ी हजारों भक्तों की भीड़

चिंतामण भगवान का मनोहारी श्रृंगार हुआ, गर्भगृह के बाहर से हुए दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र मास में हर वर्ष भगवान चिंतामण गणेश की प्रत्येक बुधवार को जत्रा आयोजित होती है। आज बुधवार को तीसरी जत्रा का आयोजन हुआ और मंदिर के पट तड़के 4 बजे से खोल दिए गए थे। पंचामृत स्नान के बाद भगवान का मनोहारी श्रृंगार किया गया और फिर दर्शन शुरु हो गए थे। या सिलसिला मंदिर के पट बंद होने तक चला।

मंदिर के पुजारी ईश्वर गुरु ने बताया कि चैत्र मास में इस बार भगवान चिंतामण की पांच जत्राएं है। दूसरी जत्रा पिछले बुधवार 11 मार्च को हो चुकी है। जबकि तीसरी जत्रा आज 18 मार्च को आयोजित हो रही है। चौथी जत्रा 25 अप्रैल को और पांचवी शाही जत्रा 1 अप्रैल को आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि चैत्र मास की जत्रा का विशेष महत्व रहता है। जत्रा पर हर वर्ष भगवान चिंतामण गणेश के दर्शन करने के लिए देश-विदेश से भक्त हजारों की संख्या में पहुंचते है। उन्होंने बताया कि मंदिर में गर्मी को देखते हुए परिसर में मेटिन बिछाया गया, ताकि श्रध्दालुओं के पैर न जले और परिसर में भी भक्तों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था भी की गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि मंदिर परिसर स्थित लक्ष्मण बावड़ी के समीप विघ्नहर्ता गणेश मंदिर में भी भगवान गणेशजी का विशेष श्रृंगार किया गया। तीसरी जत्रा के अवसर पर चिंतामण गणेश मंदिर में किसानों के अलावा बड़ी संख्या में आम श्रद्धालु भी दर्शन के लिए पहुँचें। तड़के 4 बजे पट खुलने के बाद भगवान का श्रृंगार हुआ और फिर गर्भगृह के बाहर से सतत् श्रध्दालु दर्शनों का क्रम शुरू हो गया था। रात्रि 11 बजे पट बंद होने तक दर्शनों का अनवरत सिलसिला चलता रहा।

भूतड़ी अमावस्या पर शिप्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, रामघाट, 52 कुंड पर हुआ विशेष स्नान

अलसुबह से जुटे श्रद्धालु, पितरों के तर्पण के साथ प्रेत बाधा से मुक्ति की कामना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र अमावस्या, जिसे भूतड़ी अमावस्या के रूप में भी जाना जाता है, पर बुधवार को धर्मनगरी उज्जैन में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। मोक्षदायिनी शिप्रा नदी के रामघाट और 52 कुंड सहित विभिन्न घाटों पर तड़के से ही श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था, जो दिन चढ़ने के साथ लगातार बढ़ता गया।

श्रद्धालुओं ने रामघाट, 52 कुंड और त्रिवेणी घाट पर पहले शिप्रा में आस्था की डुबकी लगाई और फिर मंदिरों में पहुंचकर देवी-देवताओं के दर्शन किए। बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी पहुंचे, जो प्रेत बाधा या ऊपरी असर से मुक्ति की कामना लेकर अपने परिजनों के साथ स्नान करने आए थे।

भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। होमगार्ड, एसडीईआरएफ और मां शिप्रा तैराक दल के सदस्य तैनात रहे। ये दल लगातार श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने की सलाह देते नजर आए। साथ ही घाटों पर चेंजिंग रूम की व्यवस्था भी की गई, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके। देशभर से आए श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल के दर्शन से पहले शिप्रा में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। घाटों पर धार्मिक माहौल के बीच भक्ति और आस्था का संगम साफ दिखाई दिया।

पितरों की तृप्ति का विशेष महत्व- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चैत्र अमावस्या का दिन पितरों की शांति और तर्पण के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। कई श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद विधि-विधान से पिंडदान और तर्पण किया। मान्यता है कि इस दिन शिप्रा में स्नान करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और प्रेत बाधा से मुक्ति मिलती है। इसका उल्लेख प्राचीन ग्रंथ स्कंद पुराण में भी मिलता है, जिसके चलते इस दिन का धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है।

धर्म ग्रंथ का अध्ययन कर रहे युवक ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ईसाई धर्म ग्रंथ की पढ़ाई कर रहे युवक ने मंगलवार बुधवार फांसी लगा ली। सुबह पोस्टमार्टम के बाद युवक की बॉडी केरल ले जाई गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि केरल का रहने वाला मैथ्यू पिता जोसेफ 22 वर्ष पिछले तीन सालों से उज्जैन में रहकर इसी धर्म ग्रंथ का अध्ययन आगर रोड स्थित समाज के ही रुहालय कॉलेज में कर रहा था। कुछ दिनों से वह पढ़ाई को लेकर तनाव चल रहा था मंगलवार बुधवार रात उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली, साथ में अध्ययन करने वाले छात्रों ने उसे देखा तो कॉलेज के शिक्षकों को जानकारी दी। थाना उपनिरीक्षक दिनेश भट्ट ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके से छात्र का शव पोस्टमार्टम के लिए चालक अस्पताल लाया गया वहीं मर्ग कायम कर बॉडी कॉलेज के शिक्षकों के सुपुर्द की गई। शिक्षकों द्वारा उसकी बॉडी अंतिम संस्कार के लिए केरल ले जाई गई है। प्रारंभिक जांच में साथ अध्ययन करने वालों से यही सामने आया है कि वह पढ़ाई को लेकर तनाव में था फिलहाल मामले की जांच जारी है।

सीएमएचओ श्री पटेल ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन बुधवार को सीएमएचओ कार्यालय में किया गया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पटेल ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित सभी राष्ट्रीय कार्यकमों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिए कि सी.एम. हेल्पलाईन पर दर्ज शिकायतों का त्वरित निराकरण एवं डिलेवरी अपडेशन के कारण लंबित हितग्राही मूलक योजनाओं के हितग्राहियों को भुगतान यथाशीघ्र किया जाए। डॉ. पटेल ने निर्देश दिये कि मातृ एवं शिशु मृत्यु की चौबीस घंटे में रिपोर्ट कर रिव्यू कर सुधारात्मक कार्यवाही की जाए। डॉ. पटेल ने बैठक में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए लार्वानाशक दवाई का छिड़काव सभी क्षेत्र में करने, सरवाईकल कैंसर की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे एच.पी. वी. टीकाकरण अभियान के अन्तर्गत पात्र बालिकाओं का शतप्रतिशत टीकाकरण करने, आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष से अधिक उम्र के समस्त नागरिक सहित योजना के लिए पात्र हितग्राहियों के शतप्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के भी निर्देश दिए। बैठक में सीएमएचओ डॉ. पटेल ने जिले में चलाये जा रहे प्रोजेक्ट संवर्धन अभियान का संचालन निर्धारित दिशा निर्देशानुसार करने, चिन्हित गंभीर कम वजन और कम गंभीर, कम वजन बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती करवाने और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त संक्रामक रोगियों को आईएचआईपी पोर्टल पर नियमित रिपोर्ट करने के निर्देश दिए। डॉ. पटेल ने ग्रीष्म कालीन समय को दृष्टिगत प्रत्येक स्वास्थ्य संस्था से प्रतिदिन लू और हीट स्ट्रोक के मरीजों की पोर्टल पर प्रविष्टि करने के साथ ही अस्पताल में 2 बिस्तर लू के मरीजों के लिए आरक्षित रखने के निर्देश दिए।

क्यु आर स्कैन करते ही खाते से निकले 43 हजार रुपये

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जीयो वाईफाई की राशि रिफंड कराने के लिये वृद्ध को गूगल पर कस्टमर केयर नम्बर सर्च करना भारी पड़ गया। शातिर ठग ने क्यूआर कोड भेज खाते से 3 बार ट्रांजेक्शन किया और 43 हजार के लगभग राशि निकाल ली। 8 माह बाद पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

नागदा थाना एसआई विरेन्द्रसिंह चौहान ने बताया कि आदिनाथ कालोनी में रहने वाले सलीम पिता बाबू खान 55 साल के साथ 12 जुलाई 2025 को आनलाईन 42 हजार 990 रूपये की धोखाधड़ी हुई थी। मामले की शिकायत सलीम खान ने साइबर सेल को दर्ज कराई थी, जहां से अब धोखाधड़ी करने वाले की जानकारी सामने नहीं आई तो उन्होने 8 माह बाद थाने आकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस की ओर से अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ बीएनएस की धारा 318 (4) का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। सलीम खान ने बताया कि उन्हे जीयो वाईफाई से 2221 राशि का रिफंड लेना था। जिसके चलते उन्होने जीयो वाईफाई से संपर्क करने के लिये गूगल पर कस्टमर केयर नम्बर सर्च किया। नम्बर मिलने पर उन्होने कॉल किया और राशि रिफंड की बात कहीं। कॉल रिसिव करने वाले ने कहा कि वाट्सएप पर क्यूआर कोड भेज रहा हूं। स्कैन कर अपना पासवर्ड डालना, आपकी राशि रिफंड हो जायेगी। सलीम खान ने क्यूआर कोड स्कैन कर पासवर्ड डाल दिया। कुछ देर बाद उनके खाते से पहली बार 39993, दूसरी बार 999 और तीसरी बार में 1998 रूपये का ट्रांजेक्शन हो गया। खाते से 42 हजार 990 रूपये निकलने का मैसेज मिलते ही उन्हे धोखाधड़ी का आभास हुआ। एसआई चौहान के अनुसार पुलिस अब अज्ञात बदमाश का पता लगाने के लिये बैंक से जानकारी प्राप्त कर पता लगाये कि उक्त राशि किस खाते में ट्रांसफर की गई है।

आज से होगी चैत्र नवरात्रि की शुरुआत

हरसिद्धि, चामुंडा और गढ़कालिका और अन्य देवी मंदिरों में होगी घटस्थापना, नौ दिन चलेंगे यज्ञ और अनुष्ठान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवी शक्ति की आराधना का पावन पर्व चैत्र नवरात्रि आज 19 मार्च से शुरू हो रहा है। इस बार पूरे नौ दिन तक चलने वाले इस पर्व में शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, अनुष्ठान और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सुबह शुभ मुहूर्त में मंदिरों में घटस्थापना के साथ नवरात्रि का शुभारंभ होगा। शाम के समय हरसिद्धि और अन्य देवी मंदिर दीप मालिकाओं से जगमगाएंगे।

धार्मिक मान्यता के अनुसार साल में चार बार नवरात्रि आती है, जिनमें चैत्र और शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। पर्व के अंतिम दिन कन्या पूजन कर माता का आशीर्वाद लिया जाता है।

हरसिद्धि मंदिर में विशेष व्यवस्था- हरसिद्धि माता मंदिर में नवरात्रि को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

नवरात्रि के दौरान गर्भगृह में प्रवेश बंद रहेगा। श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन फलाहारी खिचड़ी का वितरण किया जाएगा। साथ ही दीपमालिकाएं सजाई जाएंगी, जिनके लिए बड़ी संख्या में बुकिंग हो चुकी है।

चामुंडा माता मंदिर में अखंड ज्योत- चामुंडा माता मंदिर में आज सुबह घटस्थापना के साथ अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। यहां प्रतिदिन हवन, दुर्गा सप्तशती पाठ और सुबह-शाम महाआरती होगी।

रामनवमी पर मध्यरात्रि में विशेष हवन के साथ पर्व का समापन होगा, जबकि 29 मार्च को कन्या पूजन किया जाएगा।

गढ़कालिका मंदिर में विशेष शृंगार - महाकवि कालिदास की आराध्या गढ़कालिका मंदिर में भी आज से नवरात्रि के दौरान विशेष श्रृंगार और आरती की जाएगी। प्रतिदिन दीपमालिकाएं जलेंगी और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

महाष्टमी पर रात में विशेष आरती और दशमी पर भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

हिंदू नववर्ष और गुड़ी पड़वा की शुरुआत- चैत्र नवरात्रि के साथ ही आज से हिंदू नववर्ष की भी शुरुआत हो गई है। सुबह सूर्य को अर्घ्य देकर और शंख ध्वनि के साथ नए साल का स्वागत किया जाएगा।

इसी दिन महाराष्ट्रियन समाज का प्रमुख पर्व गुड़ी पड़वा भी मनाया जाता है। घरों में गुड़ी सजाकर पूजा की जाती है और पारंपरिक व्यंजन बनाए जाएंगे।

नवरात्रि के पहले दिन से ही शहर में भक्ति का माहौल नजर आएगा। शहर के विभिन्न देवी मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी और जय माता दी के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा आज नैवेद्य लोक का लोकार्पण किया जाएगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा गुरूवार 19 मार्च की शाम को नव वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर 18 करोड़ रूपये की लागत से उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा नानाखेड़ा स्थित नव निर्मित नैवेद्य लोक का लोकार्पण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि नैवेद्य लोक को उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा शहर की एक आधुनिक एवं आकर्षक चौपाटी के रूप में विकसित किया गया है। कुल 28000 स्क्वेयर फीट के क्षेत्रफल में सर्वसुविधायुक्त नैवेद्य लोक परिसर का विकास किया गया है। नैवेद्य लोक में चौपाटी के लिये 34 दुकाने हैं, जिनका साईज क्रमशः 180 वर्गफीट, 120 वर्गफीट, 100 वर्गफीट, 92 वर्गफीट, 90 वर्गफीट एवं 62 वर्गफीट है।

आज शाम 4 से शिप्रा की ओर जाने वाले 5 मार्गों पर प्रतिबंधित होंगे वहां

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षिप्रा नदी घाट पर आज विक्रमोत्सव का आयोजन शाम 7 बजे किया जायेगा। कार्यक्रम में भजन संध्या होगी, जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। यातायात व्यवस्था को बनाये रखने के लिये कुछ मार्गो पर वाहनो की आवाजही पर प्रतिबंध लगाया गया है।

यातायात पुलिस द्वारा बताया गया कि क्षिप्रा नदी के घाट पर होने वाले विक्रमोत्सव में शाम विशाल मिश्रा की भजन संध्या का आयोजन भी रख गया है। क्षिप्रा नदी के बीच में बनाये गये मंच पर होने वाली भजन संध्या और कार्यक्रम में शहर के साथ आसपास के जिलों से भी हजारों की संख्या में श्रोता पहुंचेगें। वहीं वीआईपी आगमन भी होगा। क्षिप्रा नदी की ओर जाने वाले मार्गो पर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाये रखने के लिये शाम 4 बजे से कर्कराज पार्किंग से नृसिंह घाट, गुरूद्वारा टर्निंग से शंकराचार्य चौराहा, चक्रतीर्थ से बिलोटीपुरा, दानीगेट और नृसिंहघाट चौराहा से गुरूद्वारा की ओर जाने वाले मार्गो पर वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। वहीं गुरूद्वारा टर्निंग से दत्त अखाड़ा की ओर पैदल प्रवेश को भी पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है।

कार्यक्रम स्थल मार्ग और पार्किंग व्यवस्था- विक्रमोत्सव कार्यक्रम स्थल पहुंचने के मार्ग और पार्किंग की व्यवस्था भी जिला प्रशासन और यातायात पुलिस द्वारा की गई। कार्यक्रम में शामिल होने वाले हरिफाटक चौराहा से डपिंग स्टेशन, जंतर-मंतर लालपुल टी, मुरलीपुरा चौराहा से शंकराचार्य चौराहा होते हुए कार्तिक मेला ग्राउण्ड में वाहन पार्क कर सकेगें। पार्किंग स्थल से पैदल श्रोता दत्तअखाड़ा घाट तक पहुंचेंगे। कर्कराज पार्किंग तक पहुंचने के लिये हरिफाटक चौराहा से डम्पिंग स्टेशन, जन्तर-मन्तर और लालपुल टर्निंग से होकर कर्कराज पार्किंग तक जा सकेगें। यहां से पैदल नृसिंह घाट और झालरिया मठ होते हुए कार्यक्रम स्थल पहुँचा जा सकता है। जूना सोमवारिया से आने वाले चक्रतीर्थ से कालिदास उद्यान होते हुए मेला ग्राउंड पार्किंग और गुदरी की ओर से आने वाले रामानुज कोट से राणोजी की छत्री और हरसिद्धी पाल पार्किंग पहुंचेगें।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

भारत के स्वाभिमान, नवजागरण और विकास की सतत यात्रा

विक्रमोत्सव 2026

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

सृष्टि आरंभ उत्सव, नव वर्ष विक्रम सम्वत्
जल गंगा संवर्धन अभियान का समारंभ

प्रतिपदा विक्रम सम्वत् 2083 (19 मार्च 2026) । सायं 7.00 बजे
रामघाट-दत्त अखाड़ा, उज्जैन

मुख्य अतिथि
माननीय डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

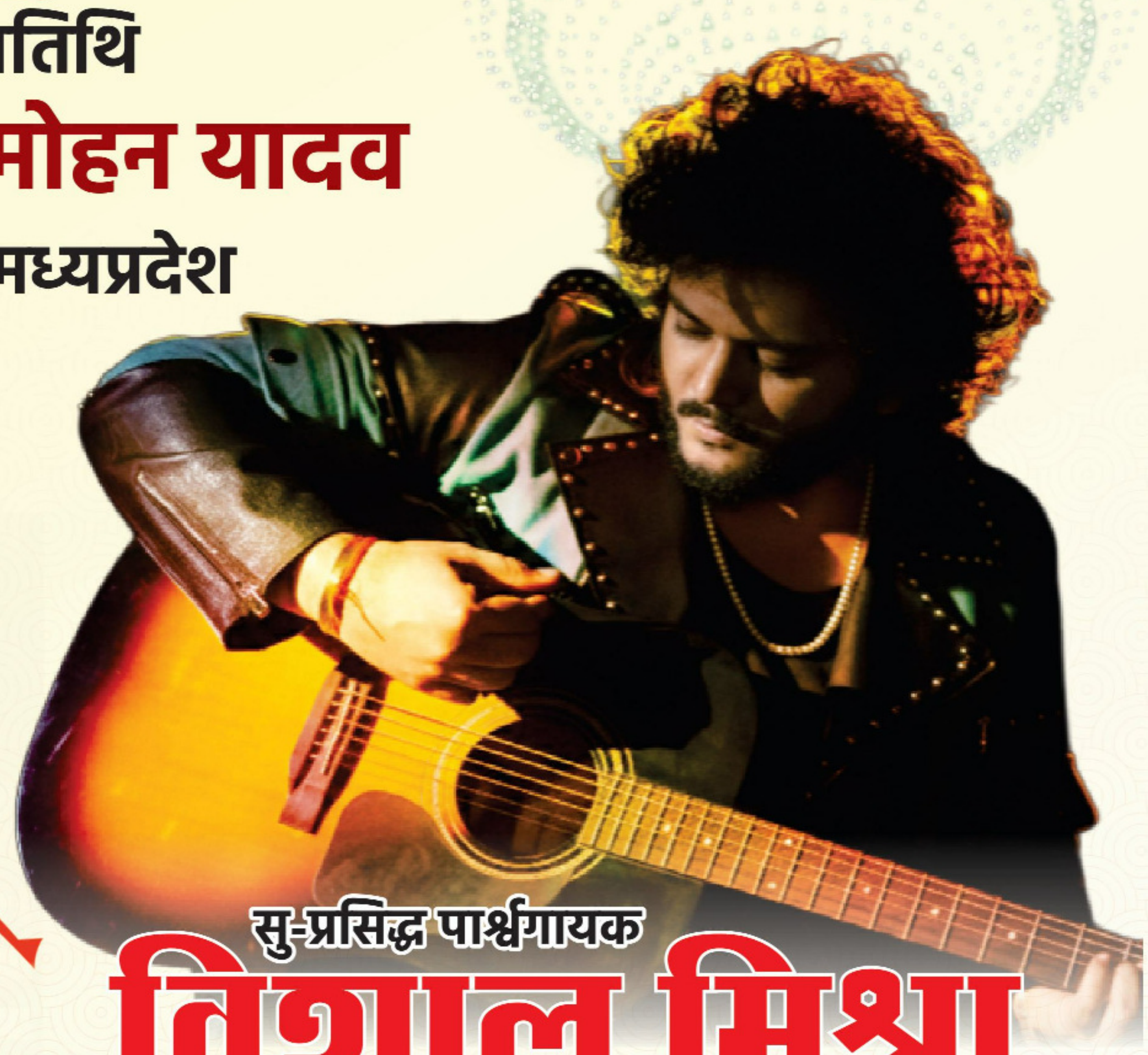

कोटि सूर्योपासना
प्रात: 05:30 बजे
शिप्रा तट, उज्जैन

ब्रम्हध्वज
ब्रह्मध्वज की
श्रीमहाकालेश्वर मंदिर
पर स्थापना

सु-प्रसिद्ध पार्श्वगायक
विशाल मिश्रा
एवं दल, मुंबई

ड्रोन शो, लेजर शो
भव्य आतिशबाजी

विमोचन
विक्रम पंचांग 2083 - महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ
कला पंचांग - संस्कृति संचालनालय
84 महादेव - बिमल कृष्ण दास
ओरछाधीश - रामस्वरूप दास
वीर भारत न्यास के पाँच भारत निधि मोनोग्राफ
महर्षि अत्रि, महर्षि अंगिरा, धन्वंतरी, महर्षि अगस्त्य, भरत मुनि
महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ की पाँच गीता
अष्टावक्रगीता, नारदगीता, ब्राह्मणगीता, गर्भगीता, उत्तरगीता

मध्यप्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में प्रात: 10 बजे
सूर्योपासना
ब्रह्मध्वज की स्थापना
नववर्ष विक्रम सम्वत्
सम्राट विक्रमादित्य नाट्य मंचन
जल गंगा संवर्धन अभियान का समारंभ

D11223/25

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ
संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित, सहयोग: जिला प्रशासन

आप सादर आमंत्रित हैं।